वर्ष-14 - अंक 133
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
शनिवार ,22 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

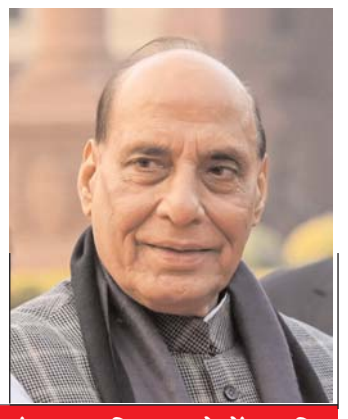

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ में नशा मुक्त 3

असहमति पर 'दिमागी नक्सल' का ठप्पा..... 4

कालवर्ट के अभाव में सोनाइछड़ा स्कूल के विद्यार्थियों को आवागमन 08

प्रति व्यक्ति आय में बांग्लादेश से भी पीछे हुआ भारत : केजरीवाल

आप संयोजक ने आर्थिक नीतियों पर उठाए सवाल, कहा- जनता को जिस बदलाव की उम्मीद थी, वह दिखाई नहीं दे रहा

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश की आर्थिक स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2026 में भारत प्रति व्यक्ति आय के मामले में बांग्लादेश से भी पीछे हो गया है। केजरीवाल ने कहा कि जिस भारत को दुनिया की बड़ी आर्थिक ताकत बनाने का सपना दिखाया गया था, आज वह प्रति व्यक्ति आय के मामले में अपने पड़ोसी देश से पीछे पहुंच गया है। केजरीवाल के मुताबिक, वर्ष 2026 में भारत की प्रति व्यक्ति आय करीब 2,800 डॉलर है, जबकि बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय करीब 2,900 डॉलर तक पहुंच गई है। उन्होंने इसे देश के लिए चिंता का विषय बताया। हालांकि, ये आंकड़े केजरीवाल के दावे के तौर पर सामने आए हैं। आप संयोजक ने वर्ष 2014 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि उस समय भारत की प्रति व्यक्ति आय करीब 1,600 डॉलर थी, जबकि बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय लगभग 1,100 डॉलर थी। उनके अनुसार, उस समय भारत अपने पड़ोसी देश से काफी आगे था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वर्ष 2014 में देश की जनता ने उम्मीद के साथ भाजपा को सत्ता सौंपी थी। लोगों को उम्मीद थी कि भारत तेजी से आर्थिक विकास करेगा और दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्तियों में अपनी जगह बनाएगा। केजरीवाल ने वर्ष 2025 के आंकड़ों का हवाला देते हुए भारत की प्रति व्यक्ति आय की तुलना स्विट्जरलैंड, सिंगापुर और अमेरिका जैसे देशों से भी की। उन्होंने दावा किया कि स्विट्जरलैंड की प्रति व्यक्ति आय करीब 1.15 लाख डॉलर, सिंगापुर की करीब 99 हजार डॉलर और अमेरिका की करीब 90 हजार डॉलर है। उन्होंने कहा कि इन देशों की तुलना में भारत की प्रति व्यक्ति आय काफी कम है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि वर्ष 2014 में देश की जनता को जिस तेज आर्थिक विकास की उम्मीद थी, वह अपेक्षित रूप से दिखाई नहीं दे रहा है। आप संयोजक ने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए भ्रष्टाचार और देश के संसाधनों के कथित दुरुपयोग के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार की आर्थिक नीतियों का लाभ आम लोगों की आय और जीवन स्तर में अपेक्षित सुधार के रूप में दिखाई नहीं दे रहा है। केजरीवाल ने कहा कि देश की जनता ने आर्थिक बदलाव और बेहतर रोजगार एवं आय की उम्मीद के साथ सरकार को समर्थन दिया था, लेकिन आज आर्थिक स्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

केजरीवाल के मुताबिक, वर्ष 2026 में भारत की प्रति व्यति आय करीब 2,800 डॉलर है, जबकि बांग्लादेश की प्रति व्यति आय करीब 2,900 डॉलर तक पहुंच गई है। उन्होंने इसे देश के लिए चिंता का विषय बताया। हालांकि, ये आंकड़े केजरीवाल के दावे के तौर पर सामने आए हैं। आप संयोजक ने वर्ष 2014 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि उस समय भारत की प्रति व्यति आय करीब 1,600 डॉलर थी, जबकि बांग्लादेश की प्रति व्यति आय लगभग 1,100 डॉलर थी। उनके अनुसार, उस समय भारत अपने पड़ोसी देश से काफी आगे था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वर्ष 2014 में देश की जनता ने उम्मीद के साथ भाजपा को सत्ता सौंपी थी। लोगों को उम्मीद थी कि भारत तेजी से आर्थिक विकास करेगा और दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्तियों में अपनी जगह बनाएगा। केजरीवाल ने वर्ष 2025 के आंकड़ों का हवाला देते हुए भारत की प्रति

सवालों से घबराकर सत्र छोड़कर भागी 'भगौड़ी सरकार': टीकाराम जूली

जयपुर(एजेंसी)। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र दो दिन में ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था और जनसमस्याओं से जुड़े विपक्ष के सवालों का जवाब देने से बच रही है। उन्होंने सरकार को 'भगौड़ी सरकार' करार देते हुए कहा कि सदन स्थगित कर देने से सरकार की नाकामियां नहीं छिपेंगी। जूली ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि कांग्रेस विधायकों के सवालों से घबराकर भाजपा सरकार ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने का रास्ता चुना है। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के सवालों से घबराकर भागने वाली भाजपा सरकार के पापों का घड़ा भर चुका है। सदन स्थगित कर भागने से सरकार की नाकामियां नहीं छिपेंगी। समय आने पर प्रदेश की जनता इस सरकार को माकूल जवाब देगी। ' इससे पहले विधानसभा परिसर में नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने प्रदेश की बदहाल स्थिति और प्रशासनिक विफलताओं के खिलाफ अनूठा प्रदर्शन किया। विधायकों ने जनसमस्याओं को पर्चियों पर लिखकर एक घड़े में डाला। घड़ा भरने के बाद जूली ने उसे फोड़ते हुए सरकार की नीतियों और कथित विफलताओं के खिलाफ संघर्ष जारी रखने का ऐलान किया। जूली ने कहा कि सरकार को जनता की समस्याओं पर सदन में जवाब देना चाहिए था, लेकिन चर्चा से बचने के लिए सदन को स्थगित कर दिया गया। नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा की कार्यवाही के दौरान विपक्षी विधायकों को रोके जाने के मुद्दे पर भी सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस विधायक दल ने इस मुद्दे को उठाया। जूली ने सवाल किया कि जिस गेट पर एक दिन पहले विपक्षी विधायकों को रोका गया था, उसी गेट से अगले दिन उन्हें विधानसभा में प्रवेश की अनुमति कैसे दे दी गई। उन्होंने सरकार से पूछा कि आखिर ऐसा कौन सा नियम था, जिसके तहत विपक्षी विधायकों को पिछले दिन रोका गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस सवाल का जवाब देने से बच रही है। जूली ने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था जैसे वास्तविक मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए वंदे मातरम् का मुद्दा उठा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का वंदे मातरम् से पुराना संबंध रहा है और स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देश के प्रमुख नेताओं ने इसे गाया था। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और नेताजी सुभाष चंद्र बोस से लेकर सरदार पटेल, पंडित जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी तक वंदे मातरम् से जुड़े रहे हैं। कांग्रेस वही वंदे मातरम् गाती रही है, जिसे स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय नेताओं ने अपनाया था। जूली ने प्रदेश की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई स्कूलों की स्थिति खराब है और अस्पतालों में प्रसूताओं की मौत के मामले सामने आ रहे हैं। आम लोगों को इलाज के लिए परेशान होना पड़ रहा है और अस्पतालों में दवाओं की कमी की शिकायतें हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को इन गंभीर समस्याओं पर विधानसभा में जवाब देना चाहिए, लेकिन वह चर्चा से बचने का प्रयास कर रही है। नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में करीब 1.25 लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। इसके अलावा करीब 4 हजार जर्जर स्कूलों की स्थिति चिंताजनक है और लगभग 85 हजार कमरों को मरम्मत की जरूरत है।

संक्षिप्त ख़बरें

दलदल की वजह से गिरी हाइड्रोलिक क्रेन; हादसे में 10 लोग घायल

मुंबई । मुंबई के कुर्ला इलाके के कुरैशी नगर में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात उस वक्त बड़ा हादसा हो गया, जब एक इमारत में सामान उठाते वक्त हाइड्रोलिक क्रेन गिर गई। हादसे में कम से कम 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हाइड्रोलिक क्रेन, रेलवे के हाई-टेंशन ओवरहेड तारों, पास की झुग्गियों, सम्राट अशोक नगर की सड़क, एक कंपाउंड वॉल और एमएचएडीए बिल्डिंग के कंपाउंड में खड़ी तीन गाड़ियों पर गिरी। इस हादसे में सादिक कुरैशी नामक एक शख्स के जीजा और बहन घायल हुए हैं। आईएएनएस से बातचीत करते हुए सादिक ने कहा, 'मेरी बहन और जीजा का घर एमएमडीआरए इलाके में है, जहां एक क्रेन गिर गई। क्रेन उनके घर के पिछले हिस्से की तरफ गिरी, जिससे बगल वाले घर को भी नुकसान पहुंचा। मेरी बहन और जीजा की हालत गंभीर है और उन्हें कुर्ला वेस्ट के भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हम सब तुरंत वहां पहुंचे। जब मैंने अपने जीजा को देखा, तो उन्हें गंभीर चोटें आई थीं, खासकर उनकी आंखों के आसपास और उनकी हालत बहुत खराब थी।'

जवाहर कला केंद्र में सजा फोटोग्राफी का महाकुंभ, फोटो और पेंटिंग का हुआ संगम

जयपुर। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जवाहर कला केंद्र की सहभागिता में आयोजित 'नजर फोटो एवं पेंटिंग एग्जीबिशन' के पांचवें सीजन का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय यह प्रदर्शनी 21 से 23 अगस्त तक आयोजित की जा रही है, जिसमें देश-विदेश के विभिन्न स्थानों के साथ राजस्थान की संस्कृति, प्रकृति, वन्यजीवन और जनजीवन से जुड़ी चुनिंदा तस्वीरों के साथ पेंटिंग्स भी प्रदर्शित की गई हैं। प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने फीता खोलकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित तस्वीरों और पेंटिंग्स का अवलोकन किया तथा फोटोग्राफर्स और कलाकारों के कलाकौशल एवं रचनात्मक दृष्टिकोण की सराहना की। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि फोटोग्राफी केवल तस्वीर खींचने की कला नहीं, बल्कि किसी क्षण, भाव और कहानी को सहेजने का माध्यम है। ऐसी प्रदर्शनियां कलाकारों की रचनात्मकता को सामने लाने के साथ समाज को अलग-अलग दृष्टिकोणों से देखने का अवसर देती हैं।

ऑनलाइन कैब चालक निकले अंतरराज्यीय वाहन चोर

नोएडा(एजेंसी)। नोएडा के थाना सेक्टर-39 पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर चोरी की 12 मोटरसाइकिल, घटना में इस्तेमाल एक वैगनार कार और दो अवैध चाकू बरामद किए हैं। बरामद मोटरसाइकिलों की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ऑनलाइन कैब सेवा के दौरान नोएडा और एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में घूमकर सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिलों की रेकी करते थे और मौका मिलते ही उन्हें चोरी कर लेते थे। पुलिस के अनुसार, 21 अगस्त 2026 को थाना सेक्टर-39 पुलिस टीम ने गोदरेज बिल्डिंग के पीछे स्टेलर ग्रीन पार्क जाने वाले रोड से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रवि प्रताप, विमल शाक्य उर्फ सूर्या, प्रशांत सिंह और दीपांशु के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के सदस्य वैगनार कार से इलाके में घूमते थे। इस दौरान वे सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिलों को चिन्हित करते और बाद में मौका देखकर उन्हें चोरी कर लेते थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि चोरी करने के बाद मोटरसाइकिलों को तत्काल बेचने के बजाय वे उन्हें अलग-अलग स्थानों पर झाड़ियों अथवा सुनसान जगहों पर छिपाकर रखते थे। इसके बाद जरूरत पड़ने पर आम लोगों को मजबूरी की कहानी बताकर कम कीमत में चोरी की बाइक बेच देते थे। पुलिस के मुताबिक आरोपी नोएडा के अलावा दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में भी वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से अलग-अलग राज्यों और जिलों से चोरी की गई मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इनमें टीवीएस, स्प्लेंडर, टीवीएस राइडर, टीवीएस स्पोर्ट्स और टीवीएस अपाचे जैसी बाइक शामिल हैं। बरामद वाहनों में दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली मोटरसाइकिलें शामिल हैं। इनमें एक टीवीएस बाइक दिल्ली के अशोक नगर, एक स्प्लेंडर चंडीगढ़ सेक्टर-36, एक स्प्लेंडर दिल्ली के लोदी नगर और एक अपाचे थाना सेक्टर-39 नोएडा से संबंधित मामले में चोरी की गई थी। इसके अलावा गुरुग्राम, बदरपुर दिल्ली समेत अन्य स्थानों से चोरी की गई बाइक भी बरामद हुई हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार चारों आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग थानों में सात-सात मुकदमे दर्ज हैं।

बंगबंधु एवेन्यू हमला लोकतंत्र खत्म करने की साजिश था : शेख हसीना

ढाका(एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 2004 में ढाका के बंगबंधु एवेन्यू में अवामी लीग की रैली पर हुए घातक ग्रेनेड हमले को देश के इतिहास का सबसे क्रूर और शर्मनाक अध्याय बताया है। हमले की 22वीं बरसी पर जारी बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि इस हमले का उद्देश्य बांग्लादेश की लोकतांत्रिक राजनीति को कमजोर करना और राजनीतिक विरोधियों को खत्म करना था। अवामी लीग के अनुसार, 21 अगस्त 2004 को हुए इस हमले में पार्टी और उससे जुड़े संगठनों के 24 नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की मौत हुई थी, जबकि 300 से अधिक लोग घायल हुए थे। मृतकों में तत्कालीन महिला अवामी लीग प्रमुख इवी रहमान भी शामिल थीं। उस समय विपक्ष की नेता रहीं शेख हसीना हमले में बाल-बाल बची थीं, हालांकि उनके कान में चोट लगी थी। अवामी लीग ने आरोप लगाया कि यह हमला आतंकी संगठन हरकत-उल-जिहाद (हूजी) ने तत्कालीन बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी गठबंधन सरकार के इशारे पर किया था। हसीना ने कहा कि हमले का मकसद लोकतांत्रिक राजनीति को खत्म कर देश में टकराव की राजनीति को फिर से मुख्यधारा में लाना था। हसीना ने युवाओं से बांग्लादेश के इतिहास को निष्पक्ष दृष्टिकोण से समझने की अपील की। उन्होंने 15 अगस्त को बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान और उनके परिवार की हत्या, जेल में चार राष्ट्रीय नेताओं की हत्या तथा सैन्य शासन के दौर का उल्लेख करते हुए कहा कि इन घटनाओं को इतिहास के व्यापक संदर्भ में समझना जरूरी है।

दिल्ली के करोल बाग में दो मंजिला इमारत गिरी, मलबे में दबकर मजदूर की मौत

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के करोल बाग इलाके में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ। रेगरपुरा में एक दो-मंजिला इमारत को अवैध तरीके से गिराए जाने के दौरान पूरा ढांचा अचानक ढह गया। इस हादसे में मलबे में दबकर एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह लगभग 11:15 बजे, बिल्डिंग नंबर 3512, प्यारे लाल रोड, रेगरपुरा, करोल बाग, दिल्ली की है। करोल बाग के रेगरपुरा इलाके में प्यारे लाल रोड पर स्थित इस पुरानी इमारत को गिराने का काम चल रहा था, तभी अचानक यह भरभराकर गिर गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि इमारत को मालिकों द्वारा नियुक्त एक प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर गिरा रहा था। पुलिस के मुताबिक संबंधित एजेंसी से इसे गिराने के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। बिना किसी सुरक्षा उपाय और बिना अनुमति के तोड़-फोड़ का काम किया जा रहा था।

इमारत गिराने का काम चल रहा था, तभी अचानक इमारत ढही और वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में फंस गए। सूचना मिलते ही करोल बाग पुलिस स्टेशन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। फायर सर्विस को भी बुलाया गया।

इस घटना में कुल चार मजदूर प्रभावित हुए हैं। एक मजदूर शेख शमशाद की चोट के कारण मौत हो गई। उसका शव एलएचएमसी अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया गया है। दूसरा मजदूर मो. अयूब गंभीर रूप से घायल है। उसे सिर में गंभीर चोट और दाहिने हाथ में फ्रैक्चर आया है। उसे डॉ. आरएमएल अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। तीसरे मजदूर शेख सैदुल का इलाज जीवन माला अस्पताल में चल रहा है। चौथे मजदूर रफीक-उल को मामूली चोट आई और प्राथमिक उपचार के बाद वह अपने घर चला गया।

कांग्रेस की ओर से वंदे मातरम का विरोध करना दुर्भाग्यपूर्ण और गंभीर विषय : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि कांग्रेस द्वारा वंदे मातरम का सम्मान करने से औपचारिक रूप से न केवल इंकार करना, बल्कि सीधे सीधे विरोध करना, अत्यंत दुर्भाग्य जनक और संवैधानिक दृष्टि से बहुत गंभीर विषय है। राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के अनुसार, संसद देश की सर्वोच्च संस्था है और संसद से पारित कोई भी कानून हर व्यक्ति के लिए बाध्यकारी है। राजनाथ सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा, ''यदि कोई इसे मानने से मना करता है तो निश्चित रूप से संविधान के प्रति उनकी निष्ठा संदेह के घेरे में आ जाती है और यदि राष्ट्र गीत का सम्मान करने से कोई मना करता है, तो उसकी देशभक्ति पर भी सवालिया निशान लग जाता है।'' दरअसल कांग्रेस पार्टी ने वर्ष 1937 में कांग्रेस के एक प्रस्ताव का हवाला देते हुए वंदे मातरम के शुरुआती दो छंद ही गाने का निर्णय किया है। कांग्रेस का कहना है कि तब वह निर्णय महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और रवींद्रनाथ टैगोर जैसे शीर्ष नेताओं की सहमति से लिया गया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है, ''कांग्रेस 1937 के जिस प्रस्ताव की बात करती है, वह कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की कट्टरपंथी मांगो के आगे नतमस्तक होकर पारित किया था और उसका खामियाजा भविष्य में देश को विभाजन के रूप में देखना पड़ा।'' राजनाथ सिंह ने कहा कि कट्टरपंथी तत्वों के आगे समझौता करना हमेशा देश के लिए घातक साबित हुआ है और आज कांग्रेस जब कट्टरपंथी तत्वों के आगे उसी प्रकार समर्पण कर रही है, तो यह देश के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरे के संकेत हैं।

विपिन परमार का पलटवार, बोले- भाजपा विधायकों ने राष्ट्रगान का अपमान नहीं किया, वीडियो देख लें

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में राष्ट्रगान के कथित अपमान को लेकर सियासी विवाद बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस की ओर से लगाए गए आरोपों को भाजपा नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार ने खारिज करते हुए कहा कि भाजपा विधायकों ने राष्ट्रगान का पूरा सम्मान किया और प्रोटोकॉल के अनुसार 'वंदे मातरम' को पूरा गाने की मांग की थी। आईएएनएस से खास बातचीत के दौरान परमार ने कहा कि जब विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ किए जाने की घोषणा की, तब भाजपा विधायक अपनी-अपनी जगह पर खड़े हुए और राष्ट्रगान को पूरा सम्मान दिया। इसके बाद भाजपा विधायक अपनी सीटों पर बैठ गए और उन्होंने नियमों के तहत पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाने की मांग की। भाजपा विधायक पूरे समय शालीनता से सदन में बैठे थे। उन्होंने सवाल किया कि आखिर उन्होंने राष्ट्रगान का अपमान कहां किया। उन्होंने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो देखा जा सकता है कि भाजपा विधायकों ने राष्ट्रगान के दौरान किस तरह व्यवहार किया था। राष्ट्रगान के बाद भाजपा विधायक अपनी बेंच पर बैठ गए और इसके बाद उन्होंने नियमों के तहत पॉइंट ऑफ ऑर्डर की मांग की। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से राष्ट्रगीत को लेकर प्रोटोकॉल संबंधी निर्देश जारी किए गए हैं। भाजपा की मांग थी कि उन निर्देशों की पालना की जाए। भाजपा नेता ने कहा कि उनकी मुख्य मांग राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को छह छंदों के साथ पूरा गाने की थी। भाजपा विधायक बार-बार इसी मांग को नियमों के तहत पॉइंट ऑफ ऑर्डर के माध्यम से सदन में रखना चाहते थे। जब उनकी मांग स्वीकार नहीं की गई तो भाजपा विधायकों ने शालीनता से 'वंदे मातरम' के नारे लगाए। इसी दौरान उन्हें जानकारी मिली कि विधानसभा की कार्यवाही अगले दिन सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई है। इसके बाद भाजपा विधायक सदन से बाहर आ गए और पूरे घटनाक्रम पर अपना पक्ष मीडिया के सामने रखा।

परमार ने आरोप लगाया कि राष्ट्रगीत को लेकर भाजपा की मांग को स्वीकार नहीं किया गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में राष्ट्रगीत के सम्मान और उससे जुड़े प्रोटोकॉल का उल्लेख है। उन्होंने यह भी दावा किया कि राष्ट्रगीत के अपमान या किसी को उसे बोलने से रोकने को गंभीर विषय माना गया है और संबंधित कानून में सजा का प्रावधान भी है। हालांकि, उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष की कार्यप्रणाली पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने से इनकार किया।

नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 की तैयारियों को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग की राजनैतिक दलों के साथ बैठक

जयपुर(एजेंसी)। राजेश्वर सिंह, राज्य निर्वाचन आयुक्त, की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय परिसर स्थित राज्य निर्वाचन आयोग के सभागार में नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 की तैयारियों के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोग द्वारा चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। आयोग की ओर से राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को नगरीय निकाय चुनाव से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधानों, निर्वाचन कार्यक्रम, मतदाता सूची, नामांकन प्रक्रिया, मतदान व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता तथा निर्वाचन व्यय सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के संबंध में सुझाव एवं अपेक्षाएं भी प्राप्त की गईं। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन के लिए सभी राजनैतिक दलों का सहयोग महत्वपूर्ण है।

सिंह ने राजनैतिक दलों से अपील की कि वे निर्वाचन संबंधी नियमों एवं दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। बैठक में आदर्श आचार संहिता के प्रभावी पालन पर विशेष जोर दिया गया। श्री सिंह ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सभी राजनैतिक दलों एवं अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों एवं निर्वाचन संबंधी विधि प्रावधानों का पूर्णता पालन करना आवश्यक है।

बैठक में आयोग के राजेश वर्मा, सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग, वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

दो महिलाओ मुकदमा दर्ज, सोशल मीडिया पर गाली गलौज का मामला

ठूठीबारी। फोन से गाली गलौज मारपीट की धमकी देना दो महिलाओ को महंगा पड गया पीडीता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कटखोर बडा टोला निवासी मंगीता साहनी पुलिस को दिए गये तहरीर मे बताया की मेरे फोन पर प्रमिला तथा गुन्जा निवासी-स्टेट चौराहा, सिसवा नगर पालिका, थाना-कोठीभार द्वारा 15 अगस्त को समय करीब 10 बजे रात में फोन कर गाली-गुप्ता दिया गया गाली-गुप्ता का विरोध किया तो नाराज होकर दोनों मारने-पिटने जानमाल की धमकी देने लगी 16 अगस्त समय करीब 12 बजे दिन में मेरे गैरमौजूदगी में उपरोक्त मेरे दरवाजे पर आकर भद्दी-भद्दी गाली-गुप्ता देते हुए मारने-पिटने जानमाल की धमकी देने लगी। उपरोक्त काफी मनबढ़ किस्म के लोग है जिससे मै मानसिक रुप से काफी डरी सहमी हूँ इस संबंध मे निचलौल क्षेत्राधिकारी रविंद्र कुमार सिंह ने बताया की उपरोक्त मामले मे केस दर्ज कर मामले की जांच पडताल किया जा रहा है।

फंदे से लटका मिला युवक, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

देवरिया। जिले के लार थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह बांसकोट में एक व्यक्ति का शव फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब सात बजे थाना लार को बांसकोट में एक व्यक्ति के फंदे से लटके होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव की पहचान कराई। मृतक की पहचान दुर्गेश पाल पुत्र रामदयाल पाल निवासी परासी चक लाल के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के संबंध में क्षेत्राधिकारी सलेमपुर गौरव सिंह ने पुलिस की कार्रवाई की जानकारी दी।

मिशन शक्ति अभियान में महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षा और हेल्पलाइन की जानकारी

देवरिया। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व सशक्तीकरण को लेकर शुक्रवार को जिले के सभी थानों की मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीमों ने अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया तथा पंपलेट वितरित किए। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-5.0 के द्वितीय चरण और शक्ति दीदी अभियान के तहत थाना एकौना, खामपार और लार की टीमों ने विशेष रूप से जागरूकता कार्यक्रम चलाए। एकौना टीम ने ग्रामीण बैंक पचलड़ी, खामपार टीम ने समाती माता मंदिर सरया और लार टीम ने ग्राम बभनौली पाण्डेय में महिलाओं, बच्चियों व छात्राओं को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। टीमों ने महिलाओं को आपात स्थिति में डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वुमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, सीएम हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एंबुलेंस-108 और साइबर हेल्पलाइन-1930 के बारे में बताया। पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं से किसी भी परेशानी की स्थिति में तत्काल संबंधित हेल्पलाइन अथवा पुलिस से संपर्क करने की अपील की।

मीट विक्रेताओं के हौसलें बुलंद, मुख्यमंत्री के आदेश को ठेंगा

सड़क किनारे हो रही मुर्गा-मछली की खुलेयाम बिक्री, संक्रामक रोग फैलने की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/सोनभद्र- ओबरा तहसील क्षेत्र के कोन थाना अंतर्गत कचनरवा मुख्य बाजार में खुलेआम सड़क किनारे मुर्गा, मछली और मांस की बिक्री से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। आरोप है कि बाजार, अस्पताल मार्ग, बागेसोती रोड और कोन-विंढमगंज मार्ग पर मीट विक्रेताओं ने सड़क तक कब्जा कर रखा है, जिससे राहगीरों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि कार्रवाई के नाम पर महज खानापूर्ति । जिसके चलते अवैध मीट विक्रेताओं के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं यहाँ तक कि मीट विक्रेताओं द्वारा खुलेयाम धमकी दी जाती है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई बार शिकायतें और समाचार प्रकाशित होने के बावजूद संबंधित विभाग ने सिर्फ औपचारिक कार्रवाई की। बतादें कि कुछ माह पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने छापेमारी कर दो दुकानदारों पर कार्रवाई की थी, लेकिन उसके

बाद फिर से खुलेआम सड़क किनारे मांस और मछली की बिक्री शुरू हो गई।

लोगों का कहना है कि सड़क पर ही मुर्गों का वध और मांस की कटाई होने से आसपास गंदगी और दुर्गंध फैली रहती है। बाजार से गुजरने वाले लोगों पर खून और पानी के छींटे पड़ने की शिकायतें भी सामने आती हैं। इससे न केवल विवाद और मारपीट की आशंका बनी रहती है, बल्कि संक्रामक रोग फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। जबकि जिले में इन दिनों संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है, ऐसे में कचनरवा बाजार की स्थिति अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि बाजार में कुछ मिठाई और नाश्ते की दुकानों पर भी मानकों की अनदेखी करते हुए बासी एवं खराब गुणवत्ता की खाद्य सामग्री बेची जा रही है। लोगों ने खाद्य सुरक्षा विभाग से पूरे बाजार का व्यापक निरीक्षण कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुसार खुले में मांस का प्रदर्शन और बिक्री प्रतिबंधित है। खाद्य सुरक्षा विभाग के नियमों के तहत मांस विक्रेताओं के लिए वैध लाइसेंस, स्वच्छता मानकों का पालन तथा दुकान को इस प्रकार ढंकना अनिवार्य है कि बाहर से मांस दिखाई न दे। नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना, लाइसेंस निरस्तीकरण और दुकान सील करने तक का प्रावधान है। जबकि प्रदेश सरकार द्वारा श्रावण मास में कावड़ियों के लिए जगह जगह फूल बरसाए जा रहे हैं और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं पर कच नरवा में ठीक विपरीत चल रहा है। बतादें कि ग्राम पंचायत कुड़वा के पांडुचट्टान पांडु नदी से जल चढ़ाने के लिए रोरवा शिव मन्दिर इसी रास्ते से जाते हैं और वहीं स्थानीय लोगों ने कचनरवा बाजार में नियमों की खुलेआम अनदेखी किए जाने का आरोप लगाया जा रहा है। स्थानीय निवासी गंगा यादव, राजेंद्र, प्रदीप, सूबेदार , बिहारी, सुनील, राजेश, सूर्यबलि, बिफई समेत अनेक स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी और जिला प्रशासन से मांग की है कि मुख्य बाजार को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, सड़क किनारे खुले में मांस की बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा बिना मानक और बिना लाइसेंस संचालित दुकानों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

पक्ष जानने का प्रयास: इस संबंध में जिला खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग के संबंधित अधिकारी से मोबाइल फोन पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में प्रभावी कार्रवाई करता है या मामला एक बार फिर ठंडे बस्ते में चला जाता है।

सिरसोती में जलभराव से ग्रामीण परेशान, तहसीलदार ने किया मौके का निरीक्षण

एनटीपीसी को तत्काल ड्रेनेज दुरुस्त कराने के निर्देश, जेसीबी लगाकर जलनिकासी सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर/सोनभद्र- सिरसोती क्षेत्र में भारी बारिश के बाद घरों में हुए जलभराव की समस्या को लेकर शुक्रवार को तहसीलदार अंजनी गुप्ता ने प्रभावित क्षेत्र का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर जलभराव की स्थिति और जलनिकासी में आ रही दिक्कतों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एनटीपीसी रिहंद के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि नाली की मरम्मत नहीं होने तथा नाली के आसपास राख पाटे जाने के कारण बारिश के पानी की निकासी बाधित हो रही है। जलनिकासी बाधित होने से पानी सदानंद के घर एवं कपड़े की दुकान, उमेश केवट के घर और अनिल भारती के घर में घुस गया। ग्रामीणों ने तहसीलदार से जलनिकासी की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार अंजनी गुप्ता ने एनटीपीसी अधिकारियों को तत्काल जेसीबी लगाकर ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त कराने और पानी की निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तहसीलदार के निर्देश के बाद एनटीपीसी अधिकारियों ने जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू करने की बात कही। ग्रामीणों को उम्मीद है कि ड्रेनेज व्यवस्था ठीक होने से बारिश के दौरान होने वाले जलभराव से जल्द राहत मिलेगी।

राजभर समाज को साधने में जुटी सपा, बरहज से रुद्रपुर तक पी डी ए की एकजुटता का संदेश

देवरिया। राजभर समाज के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए समाजवादी पार्टी ने शुक्रवार को बरहज और रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए। बरहज के हरखौली स्थित राजभर बस्ती में पी डी ए चौपाल और रुद्रपुर के महाराजगंज चौराहा पर हुई बैठक में सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा, राजनीतिक भागीदारी और राजभर समाज की एकजुटता को लेकर संवाद हुआ। दोनों आयोजनों में पी डी ए को मजबूत करने का आह्वान किया गया। हरखौली में आयोजित चौपाल के मुख्य अतिथि सपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन एससी/एसटी आयोग डॉ. रामदुलार राजभर ने कहा कि राजभर समाज मेहनतकश और संघर्षशील रहा है। अपने अधिकार, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी के लिए समाज को एकजुट रहना होगा। उन्होंने कहा कि पीडीए की अवधारणा में पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और वंचित समाज के अधिकारों की लड़ाई शामिल है। सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कहा कि पीडीए चौपालों के जरिए समाज के हर वर्ग से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। राज्यसभा सांसद कनकलता सिंह ने कहा कि सामाजिक न्याय तभी मजबूत होगा, जब पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और वंचित वर्गों को उनकी आबादी के अनुपात में सम्मान और भागीदारी मिले। उन्होंने पी डी ए की एकजुटता को सामाजिक न्याय की लड़ाई की ताकत बताया। 336-रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के महाराजगंज चौराहा पर आयोजित राजभर समाज की बैठक में भी समाज की एकजुटता, सम्मान, अधिकार और राजनीतिक भागीदारी पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि डॉ. रामदुलार राजभर ने कहा कि राजभर समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा और सामाजिक न्याय के लिए संगठित होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

ओबरा में लगा गंदगी का अंबार, संबंधित अधिकारी बेखबर

ओबरा/सोनभद्र- नगर पंचायत ओबरा के क्लब नंबर 4 के पीछे सेक्टर 8 में बना कचरा घर में कूड़ा कचरा अंबार लगा हुआ है जिससे वहाँ के रहवासियों का जीना हुआ दुश्वार। गौरतलब है कि जहाँ जनपद में संचारी रोग अभियान चलाया जा रहा है वहीं नगर पंचायत ओबरा में सफाई के नाम पर मूकदर्शक बना हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पंचायत द्वारा कई महीनों से कचरा घर की कूड़ा कचरा नहीं हटाया जा रहा है और न ही नगर का कूड़ा वाहन ही जाती है जिससे संक्रामक बीमारी फैलने का डर सता रहा है। जिसके क्रम में शकुंतला देवी, पवन कुमार, शीला देवी खरवार आदि ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की मांग किया है। इस बावत् अधिशासी अधिकारी ओबरा से संपर्क करने का प्रयास किया गया किंतु संपर्क नहीं हो सका।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने लिया रिजर्व पुलिस लाइन में परेड की सलामी, किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र /उत्तर प्रदेश- दिनांक 21.08.2026 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन चुर्क में आयोजित साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस कर्मियों की शारीरिक दक्षता, अनुशासन एवं कार्यकुशलता को बनाए रखने तथा पुलिस बल में एकरूपता एवं टीम भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से टोलीवार ड्रिल एवं दौड़ कराई गई। पुलिस कर्मियों को सदैव फिट, अनुशासित एवं कर्तव्यनिष्ठ रहते हुए जनसेवा तथा कानून-व्यवस्था के दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया गया। इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा यू0पी0-112 एवं जनपद के विभिन्न थानों से आए वाहनों की सघन चेकिंग की गई। वाहनों की

तकनीकी स्थिति, साफ-सफाई एवं रख-रखाव के साथ-साथ दंगा नियंत्रण उपकरण, वायरलेस सेट, प्राथमिक उपचार किट, अग्निशमन यंत्र एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता का परीक्षण किया गया। वाहन चालकों एवं संबंधित पुलिस कर्मियों को वाहनों एवं उपकरणों का नियमित रख-रखाव सुनिश्चित करने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी पुलिस रिस्पांस के लिए सदैव तैयार रहने के निर्देश दिए गए। परिवहन शाखा के निरीक्षण के दौरान वाहनों के अभिलेख, रख-रखाव, फिटनेस एवं उपलब्ध संसाधनों की स्थिति का जायजा लिया गया तथा वाहनों को सदैव दुरुस्त एवं क्रियाशील रखने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा क्वार्टर गार्द, स्टोर, मेस, गैस गोदाम, बैरक एवं पुलिस लाइन परिसर* का निरीक्षण किया गया। इस दौरान साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन की समस्त व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त एवं उच्च स्तर पर बनाए रखने तथा पुलिस कर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

नामित सभासदों के बाद बोर्ड की पहली बैठक, एक करोड़ के विकास कार्यों पर सहमति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। नगर पंचायत महराजगंज में नामित सभासदों के शामिल होने के बाद बोर्ड की पहली बैठक नगर पंचायत अध्यक्ष सरला साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में नगर के विकास कार्यों सहित नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराने पर जोर दिया गया। बैठक में नगर की सड़कों पर जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए नाला निर्माण, इंटरलॉकिंग रोड एवं सीसी रोड निर्माण समेत अन्य जरूरी विकास कार्य कराए जाने पर चर्चा हुई। सभासदों ने अपने-अपने वार्डों में जनहित से जुड़े कार्यों को शीघ्र पूरा कराने की आवश्यकता जताई। रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए नगर में विशेष सफाई व्यवस्था, पर्याप्त शुद्ध पेयजल की उपलब्धता तथा विद्युत प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखने पर

भी विचार-विमर्श किया गया। नगरवासियों को पर्व के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए जाने पर जोर दिया गया।

बैठक में शासन द्वारा संचालित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर योजना एवं मुख्यमंत्री सृजन योजना के अंतर्गत नगर में विकास कार्य कराए जाने पर विशेष जोर दिया गया। इन योजनाओं के तहत करीब एक करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए जाने का प्रस्ताव रखा गया।

बैठक में नामित सभासद विजय कुमार धीमान, अनुपमा पांडेय और सूर्य प्रकाश वर्मा के साथ सभासद राजकुमारी, जमुना प्रसाद, मुस्ताक, रायनी, नुरुल हसन, धर्मेंद्र वर्मा, विनीत वैश्य, आफरीन, उषा त्रिपाठी, रामकुमार, राजकुमारी सहित बोर्ड के अन्य सदस्य मौजूद रहे। नगर पंचायत के लिपिक रामचंद्र बाबू समेत संबंधित कर्मचारी भी बैठक में उपस्थित रहे। नगर पंचायत अध्यक्ष सरला साहू ने कहा कि नगर का समुचित विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। सभी वार्डों में आवश्यकता के अनुसार विकास कार्य कराकर सड़क, नाली, जल निकासी, प्रकाश एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा।

तकनीक से तरक्की की ओर सोनभद्र के विद्यार्थी, डिजिटल शिक्षा से संवर रहा बच्चों का भविष्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्मार्ट क्लास, आई0सी0टी0 और कंप्यूटर शिक्षा से विद्यालयों में सीखने का बदल रहा स्वरूप

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जनपद सोनभद्र के बच्चों को बदलते समय के अनुरूप आधुनिक एवं तकनीक आधारित शिक्षा से जोड़ने की दिशा में सार्थक पहल की जा र6ही है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, आई0सी0टी0 लैब एवं कंप्यूटर के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा उपलब्ध कराते हुए उनके सीखने के अनुभव को अधिक रोचक, सहज और प्रभावी बनाया जा रहा है। स्मार्ट क्लास के माध्यम से कठिन विषयों को चित्र, वीडियो, डिजिटल कंटेंट एवं गतिविधि आधारित शिक्षण के जरिए सरल तरीके से समझाया जा रहा है। वहीं आई0सी0टी0 लैब एवं कंप्यूटर शिक्षा से विद्यार्थी तकनीक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं। इससे बच्चों की विषयों के प्रति रुचि बढ़ने के साथ उनकी तार्किक क्षमता, रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं डिजिटल कौशल भी मजबूत हो रहे हैं।

विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की यह पहल शिक्षा में अवसरों का विस्तार कर रही है। अब बच्चे केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहकर डिजिटल माध्यम से ज्ञान की नई दुनिया से जुड़ रहे हैं और भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार कर रहे हैं। विद्यालयों में उपलब्ध डिजिटल संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया जा रहा है। उद्देश्य है कि सोनभद्र का प्रत्येक बच्चा आधुनिक शिक्षा और तकनीकी ज्ञान से सशक्त होकर अपनी प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक ले जा सके। स्मार्ट क्लास से स्मार्ट भविष्य की ओर बढ़ता सोनभद्र जहां शिक्षा के साथ तकनीक भी बच्चों के सपनों को नई उड़ान दे रही है।

डीएम ने सीसीटीवी से ईवीएम-वीवीपैट गोदाम की सुरक्षा परखी

सम्बन्धित को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने शुक्रवार कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित ई0 वी0 एम0 व वी0 वी0 पैट गोदाम का निरीक्षण किया। इस दौरान गोदाम की सुरक्षा के साथ ही आवश्यक व्यवस्था का जायजा लिया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा मासिक व त्रैमासिक निरीक्षण किया जाता है, जिसकी रिपोर्ट भी मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भेजा जाता है। निरीक्षण के दौरान गोदाम में लगे सी0सी0टी0वी0 के माध्यम से बारी-बारी से ई0वी0एम0 व पी0पी0 पैट के कक्षों की स्थिति का जायजा लिया गया और सुरक्षा व्यवस्था में लगे सुरक्षा बलों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दियें। इस दौरान उन्होंने कहा कि गोदाम परिसर के आस-पास साफ-सफाई भी कराने के निर्देश दिये।

विद्यालयों का सघन निरीक्षण, शिक्षा व्यवस्था एवं मूलभूत सुविधाओं का लिया गया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में जनपद में संचालित परिषदीय एवं अन्य विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अधिकारियों द्वारा विद्यालयों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा दिनांक 19 अगस्त 2026 को आहूत समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के क्रम में जनपद के तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खण्ड विकास अधिकारी, एडीओ पंचायत एवं खण्ड शिक्षा अधिकारियों द्वारा विद्यालयों का नियमित एवं साप्ताहिक स्थलीय निरीक्षण किया जा रहा है। अधिकारियों को प्रत्येक सप्ताह न्यूनतम पांच विद्यालयों का निरीक्षण कर निर्धारित प्रारूप पर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के

निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, शिक्षण कार्य, मिड-डे मील व्यवस्था तथा विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने कक्षाओं में पहुंचकर बच्चों से संवाद किया तथा उनके शैक्षणिक स्तर एवं विद्यालय में उपलब्ध कराई जा रही शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मिड-डे मील के अंतर्गत विद्यालय में तैयार किए गए भोजन को स्वयं ग्रहण कर उसकी गुणवत्ता, स्वाद एवं स्वच्छता की जानकारी ली। भोजन की तैयारी एवं वितरण व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने संबंधित शिक्षकों एवं रसोइयों को निर्देशित किया कि छात्र-छात्राओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा भोजन तैयार करने एवं परोसने के दौरान साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। अधिकारियों द्वारा विद्यालयों में पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई, कक्ष-कक्षों की स्थिति सहित अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया। विद्यालय परिसर में स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने शिक्षकों को निर्देशित किया कि बच्चों के पठन-पाठन, उपस्थिति एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता नहीं होनी चाहिए। विद्यालयों में शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया जाए तथा छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में विद्यालयों का नियमित स्थलीय निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था एवं विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं की निरंतर निगरानी की जा रही है, ताकि जनपद के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके।

बाध में डूबने से एक व्यक्ति की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

1-मीरजापुर। मीरजापुर जनपद के जरगो बांध में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब मॉर्निंग वॉक के लिए निकले करीब 58 वर्षीय मोहन गुप्ता की बांध में डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे इमिलिया चट्टी चौकी प्रभारी धनुषधारी पांडेय के द्वारा काफी प्रयास करने पर भी शव बरामद नहीं हुई, उसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंच कर काफी मशक्कत के बाद शव बरामद किया। बताया जा रहा है कि मोहन गुप्ता सुबह की सैर करने के लिए जरगो बांध की ओर गए थे। परिजनों और स्थानीय राहगीरों के अनुसार वह बांध के पास बैठे हुए थे। इसी दौरान पैर फिसलने की वजह से उनके बांध में गिरने की आशंका जताई जा रही है।

हालांकि, घटना की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम मौके

पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी प्रयास के बाद टीम ने मोहन गुप्ता का शव पानी से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मोहन गुप्ता के भाई ने बताया कि वह सुबह घूमने-टहलने के लिए घर से निकले थे, लेकिन अचानक यह दुखद घटना हो गई। वहीं जिला पंचायत सदस्य पंकज उपाध्याय ने भी घटना पर दुख जताते हुए कहा कि कुछ दिन पहले ही उनकी मोहन गुप्ता से मुलाकात हुई थी और उस समय सब कुछ सामान्य था। अचानक हुई इस घटना से परिवार और परिचितों में शोक की लहर है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के तमाम समाजसेवी और जनप्रतिनिधि भी पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंचे। किसान नेता सिद्धनाथ सिंह, जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन जगदीश सिंह पटेल, समाजसेवी सुरेश सिंह समेत अन्य लोगों ने मौके पर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और इस दुख की घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया। मोहन गुप्ता, बंधूलाल गुप्ता के पुत्र थे और कपड़े के व्यवसाय से जुड़े हुए थे। उनके परिवार में एक बेटा और दो बेटियां हैं। घटना के बाद से परिवार में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

यूपी-जापान साझेदारी में निवेश, रोबोटिक्स और कौशल विकास पर जोर

जापान के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने में यूपी निभाएगा अहम भूमिका : ब्रजेश पाठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स हॉल में शुक्रवार को आयोजित 'यूपी-जापान हेल्थकेयर एंड केयर इकॉनमी पार्टनरशिप' के क्षेत्रीय सत्र में उत्तर प्रदेश और जापान के बीच स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा, रोबोटिक्स, फार्मा, तकनीकी निवेश और कुशल मानव संसाधन के क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, जापानी प्रतिनिधिमंडल और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि जापान तकनीक, गुणवत्ता और कार्यकुशलता के लिए जाना जाता है, जबकि उत्तर प्रदेश के पास विशाल युवा शक्ति और प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध है। दोनों की क्षमताओं को जोड़कर स्वास्थ्य सेवा और

देखभाल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में प्रभावी मॉडल तैयार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों, नर्सिंग और पैरामेडिकल संस्थानों का विस्तार किया जा रहा है, जिससे भविष्य की स्वास्थ्य जरूरतों के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार हो रहा है। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि प्रदेश सरकार निवेश के साथ रोजगार सृजन को भी प्राथमिकता दे रही है। देश-विदेश में कुशल, अर्द्धकुशल और अकुशल मानव संसाधन की मांग को पूरा करने में उत्तर प्रदेश सक्षम है। उन्होंने कहा कि युवाओं को वैश्विक रोजगार बाजार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि जापान की तकनीक और उत्तर प्रदेश की युवा शक्ति का संगम विकास और रोजगार की नई संभावनाएं पैदा करेगा। उन्होंने बताया कि युवाओं को आधुनिक तकनीक के साथ विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि उन्हें देश-विदेश में बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने जापानी कंपनियों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने का भरोसा भी दिलाया। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित घोष ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में जापान के साथ सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। फार्मा, मेडिकल उपकरण, रोबोटिक्स और चिकित्सा तकनीक के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है। यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में मेडिकल उपकरण पार्क तथा करीब 400 एकड़ क्षेत्र में चिकित्सा तकनीक से जुड़े केंद्र के विकास की संभावनाएं तलाश की जा रही हैं। उन्होंने चिकित्सा महाविद्यालयों के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से जापानी निवेश की संभावनाएं भी बताईं। कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक का व्यापक नेटवर्क है। जापान की मांग के अनुरूप विशेष प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जा सकते हैं।

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (SMS), लखनऊ द्वारा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत एक जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ, शांतिपूर्ण एवं नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) भरत राज सिंह, महानिदेशक (तकनीकी), ने अतिथियों एवं उपस्थित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। बी.के. राधा दीदी ने अपने संबोधन में विशेष रूप से युवा पीढ़ी पर नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों, इसके कारण होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक समस्याओं तथा इससे बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को ध्यान का एक संक्षिप्त अभ्यास भी कराया, जिससे मानसिक शांति, एकाग्रता एवं सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव कराया गया। बी.के. राहुल ने योग एवं साधना के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा को सही दिशा में चैनलाइज करने के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया कि नियमित योग, ध्यान और आत्म-अनुशासन युवाओं को नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रखते हुए उनकी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में लगाने में सहायक हो सकते हैं। कार्यक्रम में बी.के. डॉ. ए.पी. पाण्डेय एवं बी.के. मीनाक्षी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ नशामुक्त भारत की शपथ ग्रहण कराई। कार्यक्रम में डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, प्रो. मो0 हुसैन, डॉ. आशा कुलश्रेष्ठा, सुनित मिश्रा, सुजाता सिन्हा, डॉ. शोभना सिंह, सहित अनेक शिक्षकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 250 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और नशामुक्त, स्वस्थ एवं सकारात्मक भारत के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संदेश स्पष्ट था कि युवाओं की जागरूकता, आत्म-अनुशासन, योग एवं ध्यान के माध्यम से ही नशामुक्त और स्वस्थ समाज की मजबूत नींव रखी जा सकती है।

जितेन्द्र सिंह यादव 'अतुल' बने सपा के जिला उपाध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की अनुमति तथा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के अनुमोदन पर समेसी निवासी जितेन्द्र सिंह यादव 'अतुल' को लखनऊ जिला समाजवादी पार्टी का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। पार्टी जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त' की ओर से जारी मनोनयन पत्र में उम्मीद जताई गई है कि जितेन्द्र सिंह यादव के जिला उपाध्यक्ष बनने से संगठन को और मजबूती मिलेगी। वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सिद्धांतों, नीतियों, विचारों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। जितेन्द्र सिंह यादव 'अतुल' के मनोनयन पर सपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उन्हें बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व और सक्रियता से पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूती मिलेगी।

दरगाह हजरत छोटे मखदूम साहब में 455 वा चार दिवसीय उर्स संपन्न

इंसानियत से बड़ा न कोई धर्म और न कोई मज़हबः- सैय्यद मदनी मियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। स्थानीय दरगाह हजरत छोटे मखदूम साहब में चल रहे चार दिवसीय उर्स के चौथे और अंतिम दिन मखदूम सैय्यद निजामुद्दीन अला दिया अलैहिर्रहमा का 455 वा कुल शरीफ संपन्न हुआ इससे पूर्व सुबह गुसल मजार शरीफ़ तथा मीलाद भी हुआ जिसमे मौलाना अनवार ने संबोधित किया। इसके बाद मखदूम सैय्यद निजामुद्दीन अला दिया उर्फ़ छोटे मखदूम साहब अलैहिररहमा का 455 वें वार्षिक उर्स का कार्यक्रम समाप्त हो गए।

जिसमें गुफरान, फ़रीद ,शबीह, शाहिद,इमरान आदि कव्वालों ने सूफियाना कलाम पेश किया बजे सांय काल कुल शरीफ हुआ। इन तमाम अवसरो पर सज्जादा नशीन सैय्यद अजीजुल हसन रिजवी उर्फ मदनी मियां ने कहा कि हमें अपने किरदार को बुलन्द करना होगा आपस में प्यार मोहब्बत से रहकर इंसानियत के साथ एक दूसरे से पेश आना होगा क्योंकि इंसानियत से बढ़ कर कोई न धर्म है न कोई मज़हब। कुल के अवसर पर उपस्थित सज्जादगान में सैय्यद अजीजुल हसन रिजवी मदनी मियां , मझगवा शरीफ के सैय्यद आतिफ अली दानिशी, शेख राशिद अली मीनाई लखनऊ, नजमुल हसन शोएब मियां, नवाज़िश मोहम्मद फारूकी समदी मियां सफीपुर, हाजी सैय्यद फुरकान वहीद हाशमी , सैय्यद गयास मियां, हाजी सैय्यद सूफी इजहार अली,सैय्यद लायक़ मियां,सैय्यद लईक अहमद किरमानी, मुमताज़ मियां, सैय्यद इमरान अहमद रिज़वी, डॉक्टर सैय्यद रेहान रिज़वी, मुतवल्ली दरगाह रहीमाबाद डॉक्टर सैय्यद आसिफ अली, बिलग्राम शरीफ के सज्जादा नशीन अफसर मियां इसके अलावा, इमरान सिद्दीकी, सैय्यद फरजान मियां, कारी इस्लाम अहमद आरफी फ़ाज़िले खैराबाद, सादी फारूकी, सैय्यद फरहान मियां सैय्यद नवेद असलम हाशमी,सैय्यद फरमान मियां,हाजी सैय्यद इश्तियाक अली वारसी,हाफिज निजामुद्दीन खुसरो, हाफिज अरसलान हसनी,हमजा सिद्दीकी, सैय्यद गुफरान रिजवी, सैय्यद कामरान रिज़वी, शेरा भाई मुम्बई मोहम्मद जुनेद, अंसार मियां, हाफ़िज़ सैय्यद ताहिर किरमानी,आदि मौजूद थे। अन्त में मदनी मियां ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

नेपाल में साहित्यकार संदीप सरस को मिला 'अवधी रत्न शिरोमणि सम्मान 2026'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर। नेपाल की प्रतिष्ठित संस्था अवधी साँस्कृतिक प्रतिष्ठान द्वारा नेपालगंज के सोनाखरी रेस्टोरेंट प्रा. लि. के सभागार में तुलसी जयंती पर आयोजित अवधी दिवस महोत्सव में साहित्यकार संदीप मिश्र सरस को अवधी रत्न शिरोमणि सम्मान 2026 प्रदान किया गया। यह सम्मान उक्त समारोह में मुख्य अतिथि यातायात मंत्री भंडारी लाल यादव, अवधी साँस्कृतिक प्रतिष्ठान के अध्यक्ष विष्णु कुमार कुमाल द्वारा प्रदान किया गया। संदीप सरस ने उक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता की। इसके साथ-साथ विमल विष्णु अवधी सेवा सम्मान 2026 भी आपको प्रदान किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार सनत रेगमी, जीनुल हक, वीरेंद्र यादव, सुशीला वैश्य, कल्पना पौडेल, हरि तिमिलसिना, इंद्र बहादुर इंद्रेश, मिथिलेश जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि 'साहित्य सृजन संस्थान' के संस्थापक/अध्यक्ष संदीप 'सरस', साहित्य की विभिन्न विधाओं में अपने लेखन से निरंतर सक्रिय अवदान देते रहे हैं और साहित्यिक पत्रकारिता के क्रम में डिजिटल पत्रिका 'सृजन के सारथी' का निरंतर प्रकाशन कर रहे हैं और अपने चर्चित कॉलम 'विमर्श', 'संवाद', 'बेबाक', 'कलमकार', 'रचनाकार', आदि के माध्यम से तमाम प्रतिष्ठित साहित्यकारों, नवोदित प्रतिभाओं से संवाद करते रहते हैं। उनकी पुस्तक 'कुछ ग़ज़लें कुछ गीत हमारे' बेहद सराही गयी और कई महत्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशन के क्रम में हैं। देश की तमाम प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में उनकी रचनाएं प्रकाशित होती रहती है। न्यूज18, आकाशवाणी व दूरदर्शन लखनऊ से उनके काव्य पाठ का प्रसारण होता रहता है। विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा सैकड़ो महत्वपूर्ण सम्मान उन्हें प्राप्त हो चुके हैं।

वे बिसवां क्षेत्र की बौद्धिक समृद्धता के लिए साहित्य सृजन संस्थान द्वारा बिसवां में सृजन पुस्तकालय की स्थापना करके साहित्यिक, शैक्षिक, सामाजिक सरोकारों के लिए समर्पित रहते हैं। उनके लेखन में एक और राष्ट्रवादी चेतना के समसामयिक स्वर हैं वहीं दूसरी ओर घर आंगन के रिश्तो की आत्मीयता और सभ्यता संस्कृति की संवेदना से जुड़ा प्रभावी सृजन है। वे अपनी रचनाधर्मिता में जन सरोकारों से सीधा संवाद करते हैं और रचनाओं में ग्राम्य संस्कृति, पर्यावरण, जन जागरूकता के संदर्भों की चेतना सदैव जीवंत रहती है। उनकी इस उपलब्धि पर बिसवां, सीतापुर के तमाम कवि/साहित्यकारों, शिक्षाविदों, पत्रकारों, बुद्धिजीवी वर्ग और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया।

कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि, लेबर कॉलोनी में पीसीटीएस का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल, पद्म विभूषण श्रद्धेय कल्याण सिंह 'बाबूजी' की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर निगम मुख्यालय लालबाग के सामने स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कल्याण सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि उनका पूरा जीवन राष्ट्र, समाज और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचार, आदर्श और जनसेवा की भावना सदैव समाज को प्रेरणा देती रहेगी। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने भी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। महापौर सुषमा खर्कवाल ने शुक्रवार को जोन-2 के लेबर कॉलोनी वार्ड स्थित अलीतरंग में नगर निगम की कार्यदायी संस्था लायन एनवायरो द्वारा स्थापित पोर्टेबल कंपैक्टर ट्रांसफर स्टेशन (पीसीटीएस) का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पीसीटीएस और एफसीटीएस के निर्माण से शहर में कचरा संग्रहण, संपीड़न और परिवहन व्यवस्था अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी होगी। नगर निगम की ओर से शहर में कुल 52 पीसीटीएस/एफसीटीएस बनाए जा रहे हैं, जिनमें 26 केंद्रों का निर्माण पूरा हो चुका है। महापौर ने कहा कि आधुनिक तकनीक और बेहतर संसाधनों के माध्यम से स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिससे शहरवासियों को स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण मिल सके। इस अवसर पर नगर आयुक्त गौरव कुमार, पार्षद अजय दीक्षित व गौरी सांवरिया, अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, जोनल अधिकारी मनोज यादव, पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान, जोनल सेनेटरी अधिकारी राम सकल यादव तथा लायन एनवायरो के एमडी रणधीर सिंह सहित नगर निगम और संस्था के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

पीडीए को एकजुट कर 2027 में अखिलेश को मुख्यमंत्री बनाना है: राजपाल कश्यप

.....सपा की पीडीए चौपाल में भाजपा सरकार पर निशाना, कार्यकर्ताओं से मतभेद भुलाकर संगठन मजबूत करने की अपील।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के शेखनापुर गांव में गुरुवार को समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की ओर से पीडीए चौपाल आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी डॉ. राजपाल कश्यप रहे। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर मौजूद रहे। पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने भाजपा सरकार पर पिछड़ों, दलितों, किसानों, मजदूरों और बेरोजगारों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद भुलाकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 2027 में अखिलेश यादव को दोबारा मुख्यमंत्री बनाना है। डॉ. राजपाल कश्यप ने कहा कि भाजपा सरकार ने हर वर्ग को ठगने का काम किया है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से जनता परेशान है। उन्होंने पीडीए को एकजुट होकर वर्ष 2027 में सपा को भारी बहुमत दिलाने का आह्वान किया। साथ ही संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। चौपाल की अध्यक्षता सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने की। संचालन जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ मनोज कुमार पाल ने किया। आयोजक ब्लॉक अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ वीरेंद्र कुमार यादव समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

एटीएम लूट की कोशिश में पुलिस की सतर्कता से एक बदमाश दबोचा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कस्बे में मौरांवा रोड स्थित इंडिया वन एटीएम को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे बदमाशों की साजिश पुलिस की सतर्कता से नाकाम हो गई। गश्त के दौरान एटीएम के पास संदिग्ध कार देखकर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस को देखते ही कार के पास मौजूद दो युवक भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर एक युवक को दबोच लिया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज राम बाबू सिंह पुलिस टीम के साथ शुक्रवार को क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान कस्बे में एटीएम के पास एक संदिग्ध कार खड़ी दिखाई दी। शक होने पर कस्बा चौकी प्रभारी अतुल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कार की जांच शुरू की। पुलिस की कार्रवाई देख वहां मौजूद दोनों युवक भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर एक युवक को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, बदमाशों ने एटीएम मशीन की स्क्रीन, कीपैड, कार्ड रीडर समेत अन्य पुर्जों को क्षतिग्रस्त कर दिया था। इसके अलावा एटीएम में लगा कैमरा भी चोरी कर लिया गया। पकड़े गए युवक से पुलिस उसके फरार साथी और घटना में शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है। घटना के संबंध में इंडिया वन एटीएम के फ्रेंचाइजी पार्टनर राहुल गुप्ता की तहरीर पर मोहनलालगंज

सड़क निर्माण की मांग पर किसानों का धरना तीसरे दिन भी जारी

लखनऊ । नगराम क्षेत्र की जर्जर सड़कों के निर्माण और डामरीकरण की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के बैनर तले किसानों का धरना शुक्रवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। किसानों से वार्ता करने पीडब्ल्यूडी, वन विभाग और राजस्व विभाग की टीम धरना स्थल पर पहुंची। अधिकारियों ने पहले तीनों मार्गों की पैमाइश कराई, इसके बाद किसानों से वार्ता की, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। किसानों ने स्पष्ट कर दिया कि सड़कों पर काम शुरू होने तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता सूर्य मनी मिश्रा, अरविंद कुमार मांझी, अवर अभियंता संजय कुमार सर्वेयर के साथ तथा वन विभाग के सहायक अभियंता देवेश कुमार अपनी टीम के साथ नायब तहसीलदार, कानूनगो और लेखपाल के साथ धरना स्थल पर पहुंचे। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रताप बहादुर ने अधिकारियों से पहले सड़कों की पैमाइश कराने की मांग रखी।

त्योहारों पर सौहार्द बनाए रखने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां(सीतापुर)। आगामी रक्षाबंधन एवं बारावफात पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को सदरपुर थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने की। इसमें क्षेत्र के धर्मगुरुओं के साथ बारावफात पर्व मनाने वाले लोग शामिल हुए। क्षेत्राधिकारी ने कहा कि सभी पर्व आपसी भाईचारे और प्रेम का संदेश देते हैं। लोगों से त्योहार खुशी और मिल-जुलकर मनाने तथा ऐसी किसी गतिविधि से बचने की अपील की, जिससे किसी समुदाय की भावनाएं आहत हों। थानाध्यक्ष आशुतोष मिश्र ने कहा कि जुलूस निर्धारित मार्ग से ही निकाले जाएं और कोई नई परंपरा शुरू न की जाए। उन्होंने डीजे ट्रालियों और झंडों में लगे स्टील व बांस की ऊंचाई का विशेष ध्यान रखने को कहा, ताकि बिजली के तारों से दुर्घटना न हो।

कार्यालय ग्राम पंचायत नन्दौली , विकासखण्ड मोहनलालगंज, जनपद - लखनऊ

पत्रांक- मेमो / पंचम वित आयोग/पन्द्रहवाँ वित आयोग / वीबीजीरामजी / एस0एल0डब्लू0एम0 / सी0एस0सी0/आर0सी0सी0 सेन्टर / टेंडर / 2026 -2027 / दिनाँक - 22/08/2026

निविदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत नन्दौली वर्ष 2026 - 2027 मे जन सुविधा केन्द्र निर्माण कार्य व ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन (एस.एल.डब्लू.एम) एस.बी. एम. -जी के अंतर्गत व्यक्तिगत व सामुदायिक, - कम्पोस्ट पिट, व्यक्तिगत व सामुदायिक नाडेप निर्माण कार्य, सामुदायिक वर्मी कम्पोस्टिंग निर्माण कार्य , सामुदायिक एवं संस्थागत कचरा पात्र, सामुदायिक एवं संस्थागत प्लाटिक बैंक, कचरा वाहन (ई-रिक्शा) स्वच्छता किट, एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केन्द्र निर्माण, सामुदायिक एवं संस्थागत इन्सिनरेटर, व्यक्तिगत व सामुदायिक सोक पिट), आर0सी0सी0 सेन्टर , सिल्ट केचर, फिल्टर चैबर, यू -टाइप नाली निर्माण , भूमिगत नाली निर्माण, हैण्डपम्प प्लेटफार्म रेट्रोफिटिंग, हैण्ड पम्प पर सोक पिट निर्माण, सामुदायिक एवं संस्थागत लीच पिट निर्माण, गौ आश्रय केन्द्र निर्माण, अंत्येष्टि स्थल निर्माण , विद्यालय कायाकल्प , खड़ंजा निर्माण, खड़ंजा मरम्मत, इंटरलॉकिंग निर्माण, सीसी रोड, नाली निर्माण, नाली मरम्मत, हैंडपंप मरम्मत, रिबोर, ह्यूम पाइप क्रय , स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट, एवं पंचायत भवन मरम्मत, स्कूल भवन, शौचालय मरम्मत, आँगनबाड़ी केन्द्र , सामुदायिक भवन मरम्मत एवं वीबीजीरामजी कार्य योजना के सापेक्ष स्वीकृत कार्यों हेतु सामग्री ईट, सीमेंट, बालू, मौरंग, सरिया, आरसीसी, टाइल्स, पत्थर गिट्टी, सिरेमिक टाइल्स, फ्लोरिंग सामग्री, हैंडपंप मरम्मत/ रिबोर सामग्री आदि सामग्री की आपूर्ति हेतु इच्छुक पंजीकृत फर्मों से कार्यालय ग्राम पंचायत नन्दौली पर निविदा दिनांक 29/08/2026 तक समय शाम 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है निविदा उसी दिन शाम 4:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं एवं गठित क्रय समिति के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जाएगी। अधोहस्ताक्षरी को किसी भी निविदा को बिना कोई कारण बताए निरस्त करने का अधिकार होगा ।

नोट - (1) उपरोक्त कार्य हेतु इच्छुक पंजीकृत फर्मों का सेल्स टैक्स विभाग मे पंजीयन अनिवार्य है ।
(2) किसी भी निविदा को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा ।

श्रीमती रीना सिंह
प्रशासक
ग्राम पंचायत - नन्दौली
विकासखण्ड - मोहनलालगंज
जनपद - लखनऊ

श्री प्रणय प्रसून उपाध्याय
ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत - नन्दौली
विकासखण्ड - मोहनलालगंज

संपादकीय

एकाकी होता जीवन का संध्या काल

सोनीपत, हरियाणा के एक वृद्धाश्रम में रह रहे एक बुजुर्ग की मृत्यु के बाद उनकी तीनों बेटियों और नाती-नातिनों में से किसी का अंतिम संस्कार में शामिल न होना केवल एक परिवार की संवेदनहीनता का मामला नहीं है, बल्कि यह बदलते सामाजिक मूल्यों पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। बेटियों ने वीडियो कॉल के माध्यम से अंतिम संस्कार में शामिल होना उचित समझा। विडंबना यह है कि दिवंगत पिता ने अपनी तीनों बेटियों को आत्मनिर्भर बनाया, उनके विवाह का दायित्व निभाया और जीवन भर परिवार के लिए समर्पित रहे। इसके बावजूद जीवन के अंतिम पड़ाव में उन्हें अपनों की मौजूदगी नसीब नहीं हुई। यह घटना समाज को आत्ममंथन के लिए विवश करती है। आज बड़ी संख्या में बुजुर्ग भरा-पूरा परिवार और पर्याप्त संसाधन होने के बावजूद अकेले जीवन जी रहे हैं। किसी के बच्चे दूसरे शहर या देश में हैं तो किसी के पास समय नहीं है। कई बुजुर्ग वृद्धाश्रमों में रहने को मजबूर हैं। सवाल यह है कि क्या आर्थिक संपन्नता और आधुनिक जीवनशैली हमें उस भावनात्मक जिम्मेदारी से मुक्त कर सकती है, जो माता-पिता के प्रति हमारी पहली नैतिक जिम्मेदारी रही है? आधुनिक जीवन में समय का मूल्य तेजी से बदला है। आज समय को उत्पादकता, करियर और आर्थिक उपलब्धियों से जोड़कर देखा जाने लगा है। प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन इस आधार पर होने लगा है कि उससे कितना लाभ मिलेगा। ऐसे में अंतिम संस्कार जैसी पारिवारिक और भावनात्मक जिम्मेदारियां कई लोगों की प्राथमिकता सूची में पीछे चली जाती हैं। लेकिन माता-पिता के जीवन का मूल्य किसी आर्थिक गणित से तय नहीं किया जा सकता। जिस पिता ने अपने बच्चों के बचपन, शिक्षा और भविष्य के लिए अपना जीवन लगा दिया, उसके अंतिम समय में कुछ घंटे निकालना यदि कठिन लगने लगे तो यह केवल व्यस्तता नहीं, हमारी प्राथमिकताओं में आए बदलाव का संकेत है। भौगोलिक दूरी से भी अधिक खतरनाक भावनात्मक दूरी है। जब बच्चे लंबे समय तक माता-पिता से मिलते-जुलते नहीं हैं, बातचीत केवल औपचारिक फोन कॉल तक सीमित हो जाती है, तो रिश्तों में धीरे-धीरे भावनात्मक गर्माहट कम होने लगती है। फिर किसी प्रियजन की मृत्यु भी कई बार गहरी संवेदना के बजाय एक सूचना बनकर रह जाती है। पहले माता-पिता के अंतिम संस्कार में शामिल न होना सामाजिक रूप से गंभीर माना जाता था। संतान को अपराध-बोध होता था और समाज भी ऐसे व्यवहार को सहजता से स्वीकार नहीं करता था। आज 'व्यस्तता' और 'विवशता' के नाम पर ऐसी संवेदनहीनता को सामान्य बनाने का खतरा बढ़ रहा है। पिछले कुछ दशकों में संयुक्त परिवारों का तेजी से विघटन हुआ है। शिक्षा, रोजगार और शहरीकरण ने लोगों को बेहतर अवसर दिए, लेकिन इसके साथ परिवारों के बीच भौगोलिक दूरी भी बढ़ी। एकल परिवारों में पति-पत्नी दोनों के नौकरी करने की स्थिति में बुजुर्गों की देखभाल एक चुनौती बन गई है। कई परिवारों में वृद्धाश्रम को व्यावहारिक समाधान के रूप में देखा जाने लगा है। शुरुआत में बच्चों की ओर से नियमित मुलाकात और फोन का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन धीरे-धीरे मुलाकातों का अंतर बढ़ता जाता है और बातचीत भी औपचारिक होती जाती है। अंततः बुजुर्ग अपने ही परिवार के जीवन से अलग-थलग पड़ जाते हैं। बुजुर्गों की उपेक्षा को केवल आर्थिक समस्या मानना उचित नहीं होगा।

संपन्न परिवारों में भी बुजुर्ग अकेलेपन, उपेक्षा और भावनात्मक अभाव का सामना कर रहे हैं। वास्तविक संकट बदलती मूल्य-चेतना का है, जिसमें व्यक्ति की उपयोगिता को उसके आर्थिक योगदान से मापा जाने लगा है। बाजार आधारित जीवनशैली ने स्त्री और पुरुष दोनों को लगातार काम, प्रतिस्पर्धा और उपभोग के चक्र में बांध दिया है। इसका प्रभाव पारिवारिक रिश्तों पर भी पड़ा है। बेटियां भी आज शिक्षा और रोजगार के कारण इसी प्रतिस्पर्धी व्यवस्था का हिस्सा हैं। इसे केवल बेटियों की संवेदनहीनता के रूप में देखना समस्या को बहुत सीमित कर देना होगा। मूल प्रश्न यह है कि आधुनिक जीवन में पारिवारिक जिम्मेदारियों और भावनात्मक संबंधों के लिए स्थान कितना बचा है। यह सोच बदलने की आवश्यकता है कि बुजुर्ग परिवार पर बोझ हैं। वे अनुभव, परंपरा और पारिवारिक स्मृतियों के वाहक होते हैं। बच्चों के संस्कार और परिवार की निरंतरता में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। यदि वृद्धाश्रम किसी जरूरतमंद बुजुर्ग के लिए सुरक्षा और देखभाल का माध्यम बनता है तो इसमें कोई बुराई नहीं। समस्या तब पैदा होती है जब वृद्धाश्रम परिवार की जिम्मेदारी से बचने का साधन बन जाए। बुजुर्गों को सुविधा देना और उन्हें भावनात्मक रूप से अपने जीवन का हिस्सा बना रहने देना दोनों अलग-अलग बातें हैं।

भारतीय समाज की सबसे बड़ी विशेषताओं में परिवार संस्था रही है। बदलते समय में परिवार का स्वरूप बदल सकता है, लेकिन उसके भीतर प्रेम, सम्मान, जिम्मेदारी और संवेदना जैसे मूल्यों का समाप्त होना समाज के लिए गंभीर खतरा होगा। परिवारों में संवाद और साथ का वातावरण मजबूत करने की जरूरत है। सामाजिक संगठनों की ओर से परिवार और बुजुर्गों के प्रति जिम्मेदारी को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान इस दिशा में उपयोगी हो सकते हैं। सरकार और संस्थानों को भी वरिष्ठ नागरिकों के लिए घर पर स्वास्थ्य सेवाएं, डे-केयर सेंटर और सामुदायिक केंद्र विकसित करने चाहिए। कामकाजी लोगों को माता-पिता की देखभाल के लिए अवकाश की सुविधा देने पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। कंपनियों को कर्मचारियों के लिए 'अभिभावक देखभाल अवकाश' जैसी सुविधाएं देने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी परिवार की है। बच्चों को केवल सफलता और आर्थिक आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाना पर्याप्त नहीं है। उन्हें यह भी सिखाना होगा कि जीवन में माता-पिता और बुजुर्गों के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी का क्या महत्व है। यदि आज की पीढ़ी अपने बुजुर्गों को अकेला छोड़ देगी तो कल यही व्यवहार अगली पीढ़ी के सामने भी लौट सकता है। यह एक ऐसा सामाजिक दुष्चक्र है, जिसे समय रहते रोकना होगा। सोनीपत की घटना इसलिए झकझोरती है क्योंकि यह हमें भविष्य का आईना भी दिखाती है। तकनीकी वीडियो कॉल के जरिए अंतिम संस्कार दिखा सकती है, लेकिन वह उस आत्मीय स्पर्श की जगह नहीं ले सकती, जिसकी जरूरत जीवन के अंतिम क्षणों में होती है। आधुनिकता जरूरी है, लेकिन संवेदनहीनता उसकी कीमत नहीं हो सकती। समाज की प्रगति तभी सार्थक होगी, जब उसके सबसे बुजुर्ग सदस्य भी अपने जीवन की संध्या में स्वयं को अकेला और अनावश्यक महसूस न करें।

असहमति पर 'दिमागी नक्सल' का ठप्पा

अवनीश कुमार गुप्ता

भारत जैसे बहुलतावादी लोकतंत्र में राजनीतिक भाषा केवल शब्दों का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह समाज के सार्वजनिक वातावरण को प्रभावित करती है। सत्ता में बैठे लोगों द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द प्रशासनिक संस्थाओं, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, नागरिक समाज और आम जनता की सोच पर असर डालते हैं। इसलिए जब किसी राजनीतिक असहमति, विचारधारा या सरकार की आलोचना के संदर्भ में 'दिमागी नक्सल' जैसा शब्द सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनता है तो इसे महज राजनीतिक बयान मानकर छोड़ देना उचित नहीं होगा। इस शब्द के राजनीतिक अर्थ, संवैधानिक सीमाओं और लोकतांत्रिक प्रभाव पर गंभीरता से विचार आवश्यक है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'दिमागी नक्सल' शब्द के इस्तेमाल के बाद देश में राजनीतिक बहस तेज हुई। सत्ता पक्ष की दृष्टि में यह उन वैचारिक प्रवृत्तियों के लिए इस्तेमाल किया गया शब्द है जो देश की एकता, विकास और सुरक्षा के विरुद्ध वातावरण बनाती हैं। विपक्ष और आलोचकों ने इसे सरकार से असहमति रखने वालों को बदनाम करने वाली भाषा बताया। इस विवाद का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि भारत इस समय युवाओं के आंदोलनों, रोजगार, परीक्षा व्यवस्था, कथित प्रश्नपत्र लीक और शासन की जवाबदेही जैसे मुद्दों से भी जूझ रहा है। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना और राष्ट्रविरोधी गतिविधि को एक ही श्रेणी में रखना गंभीर भूल होगी। भारतीय संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा का अधिकार देता है, हालांकि ये अधिकार युक्तिसंगत संवैधानिक प्रतिबंधों के अधीन हैं। अर्थात नागरिक को सरकार की नीतियों पर प्रश्न उठाने का अधिकार है, लेकिन हिंसा, सार्वजनिक व्यवस्था भंग करने या देश की संप्रभुता और अखंडता के विरुद्ध आपराधिक गतिविधियों की अनुमति नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की असली कसौटी इसी सीमा को स्पष्ट रखने में है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाली गतिविधियों से संबंधित है। इसमें अलगाववादी गतिविधियों, सशस्त्र विद्रोह तथा ऐसी गतिविधियों को उकसाने वाले कृत्यों को गंभीर अपराध माना गया है। लेकिन कानून की व्याख्या सरकार की नीतियों अथवा प्रशासनिक कदमों की वैधानिक माध्यम से आलोचना को स्वतः इस अपराध की श्रेणी में नहीं रखती। यही अंतर लोकतांत्रिक विमर्श के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार का विरोध करना और देश के विरुद्ध हिंसक गतिविधि करना समान नहीं है। हालिया युवा आंदोलनों ने इस प्रश्न को और प्रासंगिक बनाया है। परीक्षा व्यवस्था, रोजगार और सरकारी जवाबदेही से जुड़े मुद्दों को लेकर युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किए। 20 जुलाई को दिल्ली में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव के बाद पुलिस कार्रवाई तथा प्रदर्शन के दौरान हिंसा के आरोप-प्रत्यारोप सामने आए। मामले की गंभीरता को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित की। यह कदम इस बात का महत्वपूर्ण उदाहरण है कि विवादित घटनाओं का अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक दावों से नहीं, बल्कि स्वतंत्र जांच और प्रमाणों से निकाला जाना चाहिए। यदि प्रदर्शनकारियों ने हिंसा की, पुलिस पर हमला किया या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन यदि सुरक्षा बलों ने आवश्यकता से अधिक या अनुपातहीन बल का इस्तेमाल किया तो उसकी भी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। लोकतंत्र में कानून की विश्वसनीयता तभी बनी रहती है जब उसकी कसौटी व्यक्ति की राजनीतिक पहचान नहीं, बल्कि उसके वास्तविक कृत्य और उपलब्ध साक्ष्य हों। समस्या तब गंभीर हो जाती है जब राजनीतिक बहस में व्यक्ति के कृत्य से अधिक उसके विचार और पहचान को निशाना बनाया जाता है। 'दिमागी नक्सल' जैसा शब्द यदि वास्तविक हिंसक उग्रवाद और सामान्य राजनीतिक असहमति के बीच अंतर मिटाने लगे तो सार्वजनिक विमर्श अधिक स्पष्ट होने के बजाय अधिक ध्रुवीकृत हो सकता है। किसी व्यक्ति के विचार सरकार को अप्रिय हो सकते हैं, लेकिन केवल अप्रिय विचार किसी आपराधिक कृत्य का प्रमाण नहीं होते। भारत में विश्वविद्यालयों, मीडिया, नागरिक संगठनों और सामाजिक आंदोलनों की भूमिका इसी कारण महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र केवल चुनाव और संसद तक सीमित नहीं है। विश्वविद्यालयों में उठने वाले प्रश्न, पत्रकारों की पड़ताल, नागरिक समाज की आलोचना और युवाओं के शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतांत्रिक चेतना के महत्वपूर्ण संकेतक हैं। युवाओं की प्रत्येक मांग सही हो, यह आवश्यक नहीं; लेकिन उनकी प्रत्येक मांग को सुनना और तथ्यों के आधार पर उत्तर देना शासन की जिम्मेदारी अवश्य है। इसी के साथ आंदोलनकारियों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। शांतिपूर्ण विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन हिंसा, आगजनी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान या सुरक्षा बलों पर हमला किसी लोकतांत्रिक अधिकार का हिस्सा नहीं हो सकता। किसी आंदोलन का उद्देश्य कितना भी वैध क्यों न हो, हिंसक रास्ता उसकी नैतिक और लोकतांत्रिक वैधता को कमजोर करता है। इसलिए सरकार को संयम और प्रदर्शनकारियों को अनुशासन—दोनों की आवश्यकता है। संसद की कार्यवाही भी इसी व्यापक संवाद-संकट का संकेत देती है। हालिया मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार टकराव तथा व्यवधानों के कारण कई महत्वपूर्ण विषयों पर अपेक्षित चर्चा प्रभावित हुई। संसद का मूल उद्देश्य ही असहमति को बहस में बदलना है। यदि सड़क पर आंदोलन और संसद के भीतर व्यवधान दोनों बढ़ते जाएं तो यह केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं, बल्कि संस्थागत संवाद की कमजोर होती क्षमता का संकेत भी माना जाना चाहिए। सत्ता पक्ष को समझना होगा कि आलोचना लोकतंत्र की बीमारी नहीं है।

सरकार की नीतियों की समीक्षा, प्रशासनिक निर्णयों पर प्रश्न और सार्वजनिक संस्थाओं की जवाबदेही मांगना नागरिक जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। दूसरी ओर विपक्ष को भी यह स्वीकार करना होगा कि हर सरकारी निर्णय को लोकतंत्र-विरोधी बताना उतना ही नुकसानदेह है। लोकतांत्रिक राजनीति में आरोप से अधिक महत्वपूर्ण प्रमाण और नारे से अधिक महत्वपूर्ण नीति-विमर्श है। राष्ट्रवाद को भी सरकार और राष्ट्र के बीच अंतर स्पष्ट रखते हुए समझना होगा। राष्ट्र केवल वर्तमान सरकार का नाम नहीं है। राष्ट्र संविधान, नागरिकों, संस्थाओं, विविध भाषाओं-संस्कृतियों और साझा भविष्य का व्यापक रूप है। कोई नागरिक सरकार की किसी नीति का विरोध करते हुए भी देश और संविधान के प्रति पूरी निष्ठा रख सकता है। उसी प्रकार राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर वास्तविक खतरों की उपेक्षा भी नहीं की जा सकती। यदि कोई संगठन सचमुच हिंसक उग्रवाद, सशस्त्र विद्रोह या अलगाववादी गतिविधियों में संलिप्त है तो राज्य को कठोर कार्रवाई करनी ही चाहिए। लेकिन ऐसी कार्रवाई का आधार राजनीतिक लेबल नहीं, प्रमाण और कानून होना चाहिए। 'दिमागी नक्सल' विवाद इसलिए केवल एक शब्द का विवाद नहीं है। यह उस बड़े प्रश्न से जुड़ा है कि भारत अपने असहमत नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहता है। क्या आलोचना का उत्तर तर्क से दिया जाएगा या राजनीतिक ठप्पे से? क्या हिंसक गतिविधि और वैचारिक असहमति के बीच स्पष्ट अंतर रखा जाएगा? क्या पुलिस कार्रवाई और प्रदर्शनकारी हिंसा दोनों की निष्पक्ष जांच होगी? और क्या संसद जनता के असंतोष को लोकतांत्रिक संवाद में बदलने की अपनी भूमिका निभाएगी? लोकतंत्र की शक्ति सर्वसम्मति में नहीं, असहमति को संभालने की क्षमता में होती है। मजबूत लोकतंत्र वह नहीं जिसमें हर नागरिक सत्ता की प्रशंसा करे, बल्कि वह है जिसमें नागरिक कठिन प्रश्न पूछ सकें और सरकार उन प्रश्नों का तथ्यपूर्ण उत्तर देने के लिए तैयार रहे। यदि कोई आरोप गलत है तो तथ्य उसे गलत सिद्ध कर सकते हैं; यदि कोई नीति सही है तो उसके परिणाम उसका बचाव कर सकते हैं; और यदि कोई व्यक्ति वास्तव में कानून तोड़ता है तो न्यायिक प्रक्रिया उसके विरुद्ध कार्रवाई का रास्ता तय कर सकती है। इसलिए भारत को ऐसी राजनीतिक संस्कृति की आवश्यकता है जिसमें हिंसा के प्रति शून्य सहनशीलता हो, लेकिन शांतिपूर्ण असहमति के लिए पर्याप्त लोकतांत्रिक स्थान भी हो। सरकार को आलोचना से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं और नागरिकों को कानून से ऊपर होने का अधिकार नहीं। संस्थाओं को निष्पक्ष रहना होगा, संसद को संवाद का मंच बनना होगा और राजनीतिक दलों को शब्दों की जिम्मेदारी समझनी होगी। क्योंकि लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट वह नहीं जब नागरिक सरकार से प्रश्न पूछते हैं। वास्तविक संकट तब शुरू होता है जब नागरिक प्रश्न पूछने से डरने लगते हैं। राजनीतिक ठप्पे क्षणिक प्रभाव पैदा कर सकते हैं, लेकिन लोकतंत्र को स्थायी शक्ति संविधान, स्वतंत्र संस्थाओं, प्रमाण आधारित सार्वजनिक विमर्श और असहमति के सम्मान से मिलती है। भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की रक्षा इसी संतुलन से होगी कि राष्ट्र की सुरक्षा भी सुरक्षित रहे और नागरिक की आवाज भी।

मणिपुर में क्यों तेज हो रहा 'नो एनआरसी, नो जनगणना' आंदोलन?

मणिपुर में वर्ष 2027 की प्रस्तावित जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की मांग को लेकर आंदोलन तेज होता जा रहा है। 'नो एनआरसी, नो सेंसस' के नारे के साथ शुरू हुआ यह आंदोलन अब केवल जनगणना रोकने की मांग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसके पीछे विस्थापन, जनसंख्या में बदलाव, भूमि अधिकार, पहचान और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे गंभीर मुद्दे भी जुड़े हैं। जातीय हिंसा से लंबे समय से प्रभावित मणिपुर में इस आंदोलन ने राज्य सरकार के साथ केंद्र की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों के कारण कुछ क्षेत्रों में जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रभावित हुए हैं। कई जिलों में बंद, प्रदर्शन और सरकारी गतिविधियों के बहिष्कार की घोषणा से प्रशासन के सामने चुनौती बढ़ गई है। आंदोलन के केंद्र में राज्य के आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की स्थिति भी एक बड़ा मुद्दा है। हिंसा के कारण हजारों लोग अपने मूल स्थानों से विस्थापित होकर राहत शिविरों या दूसरे क्षेत्रों में रहने को मजबूर हैं। ऐसे में आंदोलनकारी संगठनों का सवाल है कि यदि जनगणना के दौरान विस्थापित लोगों की गणना उनके वर्तमान स्थान पर होती है तो क्या इससे राज्य की वास्तविक जनसंख्या संरचना सामने आ पाएगी? मसलन, यदि किसी क्षेत्र से विस्थापित परिवार दूसरे जिले में राहत शिविर में रह रहा है तो जनगणना में उसका वर्तमान निवास दर्ज होगा। इसी तरह दूसरे समुदाय के विस्थापित परिवार भी अपने मूल क्षेत्र से अलग स्थान पर रह सकते हैं। आंदोलनकारियों का तर्क है कि हिंसा और विस्थापन से बदले अस्थायी भूगोल को जनसंख्या के स्थायी स्वरूप का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। जनगणना के आंकड़े भविष्य में विकास योजनाओं, संसाधनों के आवंटन, परिसीमन, आरक्षण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे विषयों को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए प्रदर्शनकारी पहले नागरिकों की पहचान और स्थायी जनसांख्यिकीय स्थिति स्पष्ट करने की मांग कर रहे हैं। इस पूरे विवाद को समझने के लिए एनआरसी और जनगणना के बीच अंतर समझना जरूरी है। जनगणना का मुख्य उद्देश्य देश की आबादी की गणना करना और उससे जुड़ी सामाजिक-आर्थिक जानकारी जुटाना है। वहीं एनआरसी का संबंध नागरिकों की पहचान और नागरिकता के निर्धारण से जुड़ा है। आंदोलन समर्थकों का तर्क है कि जनगणना से पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि राज्य में वैध नागरिक आबादी कौन है। इसके बाद जनगणना के आंकड़ों को भविष्य की प्रशासनिक और राजनीतिक नीतियों का आधार बनाया जाना चाहिए। मणिपुर में एनआरसी की मांग नई नहीं है। विधानसभा में भी इस मुद्दे को लेकर प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं। राज्य जनसंख्या आयोग का गठन भी जनसांख्यिकीय बदलाव से जुड़ी चिंताओं के बीच हुआ था। हालांकि विवाद का एक प्रमुख बिंदु कट-ऑफ वर्ष को लेकर है। कई नागरिक संगठनों की मांग है कि 1951 को आधार वर्ष माना जाए। दूसरी ओर, इनर लाइन परमिट के संदर्भ में 1961 को मूल निवासी निर्धारण के आधार के रूप में स्वीकार किया गया था। कट-ऑफ वर्ष को लेकर यह मतभेद आंदोलन को राजनीतिक रूप से और संवेदनशील बना रहा है। आंदोलन समर्थक मणिपुर में अलग-अलग दशकों में हुई जनसंख्या वृद्धि के आंकड़ों का भी हवाला दे रहे हैं। उनके मुताबिक 1961 में राज्य की दशकीय जनसंख्या वृद्धि 35.04 प्रतिशत और 1971 में 37.52 प्रतिशत रही, जबकि 2011 में यह 24.50 प्रतिशत थी। इन आंकड़ों के आधार पर जनसांख्यिकीय बदलाव की जांच की मांग की जा रही है। हालांकि जनसंख्या वृद्धि को सीधे अवैध प्रवास का प्रमाण मानना उचित नहीं होगा। जनसंख्या में बदलाव के पीछे प्राकृतिक वृद्धि, आंतरिक प्रवासन, विस्थापन और अन्य सामाजिक-आर्थिक कारण भी हो सकते हैं। इसलिए किसी भी निष्कर्ष के लिए प्रमाण आधारित जांच जरूरी है। मणिपुर की म्यांमार से लगती सीमा के कारण अवैध प्रवास का मुद्दा लंबे समय से राजनीतिक बहस का हिस्सा रहा है। इसी वजह से एनआरसी की मांग को लेकर बहस और अधिक संवेदनशील हो जाती है। हालांकि कुकी-जो समुदाय और म्यांमार के चिन समुदायों के बीच जातीय और सांस्कृतिक संबंध भी हैं। ऐसे में किसी पूरे समुदाय को अवैध प्रवासी मान लेना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत हो सकता है, बल्कि पहले से जातीय तनाव से गुजर रहे राज्य में अविश्वास को भी बढ़ा सकता है। इसलिए नागरिकता और प्रवास से जुड़े मामलों का निर्धारण व्यक्तिगत दस्तावेजों और प्रमाणों के आधार पर होना जरूरी है। 'कैंपेन फॉर जस्ट एंड फेयर डिलिमिटेशन' के नेतृत्व में आंदोलन ने हाल में जोर पकड़ा। 48 घंटे के बंद के दौरान घाटी के कई जिलों में सड़कें बाधित रहीं और प्रदर्शन किए गए। मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय गृह मंत्री के पुतले भी जलाए गए। आंदोलन में छात्रों और महिलाओं की भागीदारी ने इसे व्यापक स्वरूप दिया है। संगठनों की ओर से सरकारी कार्यालयों के बहिष्कार की घोषणा भी की गई है। हालांकि आवश्यक सेवाओं को इससे अलग रखने की बात कही गई है। बढ़ते तनाव के बीच राज्य सरकार ने शिक्षण संस्थानों को तीन दिन के लिए बंद रखने का आदेश दिया। वर्ष 2027 की जनगणना अब इस पूरे विवाद का तत्काल केंद्र बन गई है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार पहले चरण में मकानों की सूची तैयार करने का काम और बाद में जनसंख्या तथा सामाजिक-आर्थिक विवरण जुटाने की प्रक्रिया होनी है। इसी बीच कुछ क्षेत्रों में जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रमों के रद्द होने से प्रशासनिक तैयारियों पर भी असर पड़ा है। सवाल यह है कि जब एनआरसी और जनगणना को लेकर संगठनों की आपत्तियां पहले से सामने आ रही थीं तो सरकार और आंदोलनकारी समूहों के बीच व्यापक राजनीतिक संवाद पहले क्यों नहीं शुरू हो सका।

नीरज कुमार दुबे

कूल्हों की जकड़न और तनाव दूर करने में मददगार है 'एका पाद राजकपोतासन'

आधुनिक जीवनशैली में लंबे समय तक बैठकर काम करना, शारीरिक गतिविधि की कमी और लगातार बढ़ता तनाव शरीर पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। खासकर लंबे समय तक कुर्सी पर बैठने से कूल्हों, जांघों और कमर के आसपास की मांसपेशियों में जकड़न महसूस हो सकती है। ऐसे में योग शरीर और मन के बीच संतुलन बनाने का प्राकृतिक माध्यम हो सकता है। योग के विभिन्न आसनों में 'एका पाद राजकपोतासन' को कूल्हों और शरीर के निचले हिस्से में लचीलापन बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण आसन माना जाता है। यह एक उन्नत स्तर का योगासन है, जिसमें कूल्हों के जोड़, जांघों और रीढ़ पर काम होता है। सही विधि, नियंत्रित श्वास और प्रशिक्षित मार्गदर्शन के साथ इसका अभ्यास शरीर को अधिक लचीला बनाने तथा मन को शांत रखने में सहायक हो सकता है। 'एका पाद राजकपोतासन' संस्कृत के चार शब्दों से मिलकर बना है। 'एका पाद' का अर्थ एक पैर, 'राज' का अर्थ श्रेष्ठ, 'कपोत' का अर्थ कबूतर और 'आसन' का अर्थ मुद्रा होता है। इसकी अंतिम मुद्रा कबूतर जैसी दिखाई देती है, इसलिए इसे राजकपोतासन कहा जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, एका पाद राजकपोतासन उन्नत स्तर का योगासन है। यह कूल्हों के जोड़ और रीढ़ की लचक पर काम करने वाला आसन है तथा इसमें पीछे की ओर झुकने की मुद्रा भी शामिल होती है। नियमित अभ्यास शरीर को मजबूत और लचीला बनाने के साथ एकाग्रता तथा मानसिक शांति में भी सहायक हो सकता है। दिनभर बैठकर काम करने वाले लोगों में कूल्हों और उनके आसपास की मांसपेशियों में अकड़न महसूस होना आम है। लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठे रहने से शरीर की गतिशीलता प्रभावित हो सकती है। एका पाद राजकपोतासन में कूल्हों को खोलने और जांघों के आगे वाले हिस्से में खिंचाव पैदा करने वाली मुद्रा बनती है। इसके अभ्यास से कूल्हों, ग्लूट्स यानी नितंबों तथा पैरों की मांसपेशियों में लचीलापन बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इस आसन में शरीर को नियंत्रित तरीके से पीछे की ओर मोड़ने की मुद्रा भी बनाई जाती है। इससे रीढ़ की गतिशीलता और लचीलेपन पर काम होता है। हालांकि यह एक उन्नत आसन है, इसलिए इसे बिना तैयारी या अचानक शरीर पर दबाव डालकर करने से बचना चाहिए। योगाभ्यास के दौरान रीढ़ को सहज और नियंत्रित स्थिति में रखना जरूरी है। शरीर की क्षमता के अनुसार ही आसन की गहराई बढ़ानी चाहिए। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि श्वास, शरीर और मन के समन्वय का अभ्यास भी है। एका पाद राजकपोतासन करते समय शरीर की मुद्रा के साथ सांस पर ध्यान केंद्रित करना पड़ता है। इससे एकाग्रता बढ़ाने और मन को शांत करने में मदद मिल सकती है। आधुनिक जीवन में काम का दबाव, लगातार स्क्रीन के सामने रहना और शारीरिक गतिविधि की कमी तनाव को बढ़ा सकती है। ऐसे में नियमित योगाभ्यास शरीर को सक्रिय रखने के साथ मानसिक रूप से भी राहत देने में सहायक हो सकता है। हालांकि यह कहना सही नहीं होगा कि कूल्हों में जमा तनाव या नकारात्मक भावनाएं केवल किसी एक आसन से दूर हो जाती हैं। मानसिक तनाव के लिए पर्याप्त नींद, नियमित शारीरिक गतिविधि, संतुलित जीवनशैली और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की सलाह भी महत्वपूर्ण है। इस आसन को करते समय शरीर को धीरे-धीरे मुद्रा में लाना चाहिए। शुरुआत में इसे प्रशिक्षित योग शिक्षक की देखरेख में करना बेहतर है। पहला चरण: सबसे पहले योग मैट पर आरामदायक स्थिति में आएं और शरीर को तैयार करें। पारंपरिक क्रम में नीचे की ओर मुख किए हुए आसन से पैर को आगे लाकर मुद्रा में प्रवेश किया जा सकता है। दूसरा चरण: दाहिने पैर को आगे लाकर घुटने को मोड़ें और दाहिनी जांघ तथा पैर को मैट पर सहज स्थिति में रखें। तीसरा चरण: बाएं पैर को पीछे की ओर सीधा फैलाएं। दोनों कूल्हों को यथासंभव सामने की ओर समान स्थिति में रखने का प्रयास करें। चौथा चरण: यदि कूल्हों पर दबाव या असंतुलन महसूस हो तो दाहिने नितंब के नीचे योग ब्लॉक, मुड़ा हुआ कंबल या तकिया रखा जा सकता है।

मेष –मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन थोड़ा संभलकर आगे बढ़ने का है। परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल नहीं रहेंगी, इसलिए किसी भी तरह का बड़ा जोखिम लेने से बचना बेहतर होगा।

वृषभ–वृषभ राशि के जातकों के लिए दिन सामान्य रूप से अच्छा रह सकता है, लेकिन जीवनसाथी और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देना होगा। दांपत्य जीवन में प्रेम और आपसी समझ बनी रहेगी।

मिथुन –मिथुन राशि के लोगों के लिए आज का दिन कुछ परेशानियों वाला रह सकता है। छोटी-मोटी चोट लगने या शरीर में किसी तरह की असहजता महसूस होने की आशंका है, हालांकि किसी बड़ी परेशानी के संकेत नहीं हैं।

कर्क–कर्क राशि के जातकों को आज भावनाओं में बहकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने से बचना चाहिए। प्रेम संबंधों में आपसी मतभेद या कहासुनी की स्थिति बन सकती है। स्वास्थ्य भी पूरी तरह अनुकूल नहीं रहेगा और कुछ मानसिक या शारीरिक परेशानी महसूस हो सकती है।

सिंह–सिंह राशि के जातकों के लिए संपत्ति और घरेलू मामलों के लिहाज से दिन महत्वपूर्ण रह सकता है। भूमि, भवन या वाहन की खरीदारी से जुड़ी कोई योजना आगे बढ़ सकती है। हालांकि घर-परिवार में किसी बात को लेकर तनाव या मतभेद की स्थिति भी बन सकती है।

कन्या–कन्या राशि के जातकों के लिए आज का दिन सफलता और प्रगति के संकेत दे रहा है। आपके प्रयासों का अच्छा परिणाम मिल सकता है और कामकाज में आपकी सक्रियता रंग ला सकती है।

तुला–तुला राशि के जातकों के लिए आर्थिक दृष्टि से दिन अच्छा रह सकता है। आय में बढ़ोतरी के अवसर मिल सकते हैं और परिवार के साथ सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा। सामाजिक दायरा भी बढ़ सकता है तथा पुराने संबंधों के साथ नए लोगों से जुड़ाव बढ़ेगा।

वृश्चिक–वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन भाग्य का साथ देने वाला रह सकता है। नौकरी और रोजगार से जुड़े मामलों में प्रगति के अवसर मिल सकते हैं।

धनु–धनु राशि के जातकों का मन आज कुछ परेशान रह सकता है। बिना किसी स्पष्ट कारण के चिंता या अज्ञात भय महसूस होने की संभावना है। मानसिक दबाव के कारण किसी निर्णय पर पहुंचना कठिन लग सकता है।

मकर–मकर राशि के जातकों के लिए आज का दिन आर्थिक रूप से काफी सकारात्मक रह सकता है। आय के नए स्रोत बनने के साथ पुराने माध्यमों से भी धन प्राप्त होने की संभावना है। इससे आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

कुंभ–कुंभ राशि के जातकों के लिए आज का दिन कामकाज और कानूनी मामलों में राहत देने वाला हो सकता है। न्यायालय से जुड़े किसी पुराने मामले में सफलता मिलने की संभावना है।

मीन–मीन राशि के जातकों को आज भावनाओं के आधार पर कोई बड़ा निर्णय लेने से बचना चाहिए। दिन भाग्य का साथ देने वाला रह सकता है और यात्रा से जुड़े अवसर बन सकते हैं। नौकरी और रोजगार के क्षेत्र में प्रगति के संकेत हैं तथा कुछ ऐसे काम भी पूरे हो सकते हैं जिनके लिए लंबे समय से प्रयास किए जा रहे थे। स्वास्थ्य अच्छा रहने की संभावना है। प्रेम और व्यापार दोनों क्षेत्रों में सकारात्मक स्थिति बनी रह सकती है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

साहब... आखिर कब मिलेगा इन्साफ, नहीं तो करूंगा आत्महत्या

पिछले करीब आठ वर्षो से जमीनी विवाद को लेकर न्याय की आश में भटक रहे पिता पुत्र ने एक बार फिर मामले में कार्यवाही की उठाई मांग

प्रधानमंत्री गृहमंत्री मुख्यमंत्री मुख्य सचिव गृह सचिव सहित प्रदेश स्तरीय और जनपद स्तरीय अधिकारियों को भेजा ज्ञापन

अधिकारियों के समक्ष पेश की गई जांच रिपोर्ट में जिम्मेदारों पर लगाया हेर फेर करने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

सदर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मेलवारा कला निवासी पिता पुत्र पिछले करीब 8 वर्षो से गांव में विपक्षियों से चल रहे अवैध कब्जे के जमीनी विवाद को लेकर जनपद स्तरीय अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री स्तर तक भटकता घूम रहा है, लेकिन इन बीते 8 वर्षों में उसे अब तक इंसाफ नहीं मिल पाया है। जबकि जिलाधिकारी के निर्देश पर कई बार जिम्मद अधिकारियों ने जमीन की पैमाइश की जिस पर अवैध कब्जा होना भी पाया गया। लेकिन शुरुआती दौर में अवैध कब्जे को नकारने वाले संबंधित लेखपाल और अन्य कर्मचारियों को बचाने के लिए पेश की जा रही रिपोर्ट में हेर फेर किया जा रहा है, जिस कारण उसे अब तक न्याय नहीं मिल पाया है। अपनी जमीन पर हुए अवैध कब्जे से मुक्त करने के लिए वह लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रहा है, लेकिन उसे इंसाफ नहीं मिल पाया है। इसी मामले को लेकर पीड़ित पिता पुत्र एक बार फिर जिलाधिकारी कार्यालय पर उपस्थित हुए, जहां उन्होंने देश के प्रधानमंत्री गृहमंत्री मुख्यमंत्री मुख्य सचिव सहित प्रदेश स्तरीय और जनपद स्तरीय अधिकारियों को संबोधित कर एक बार फिर प्रार्थना पत्र दिया और मामले में निष्पक्ष जांच कर कर उसकी जमीन पर हुए अवैध कब्जे को हटवाने की मांग उठाई है। पीड़ित ने यह भी हवाला दिया कि यदि इस मामले में जांच रिपोर्ट सही नहीं आई और जमीन से कब्जा नहीं हटाया जाता, तो वह सार्वजनिक रूप से धरना प्रदर्शन अनशन करेगा और उसके बाद आत्महत्या भी कर सकता है।

ग्राम मैलवारा कला निवासी शिवलाल पुत्र ग्यासी अहिरवार अपने पुत्र के साथ शुक्रवार को एक बार फिर जिलाधिकारी कार्यालय पर उपस्थित हुआ, जहां उसने एक बार फिर प्रार्थना पत्र देकर गांव में स्थित अपनी जमीन पर हुए अवैध कब्जे से मुक्त करने की मांग उठाई। इस मामले को लेकर पीड़ित द्वारा देश के प्रधानमंत्री गृहमंत्री मुख्यमंत्री मुख्य सचिव सहित प्रदेश स्तरीय और जनपद स्तरीय अधिकारियों को दिए गए प्रार्थना पत्र में अवगत कराया गया है कि गांव में उसकी आईजी क्रमांक 434 रखवा 3.90 एकड़ है जिस पर गांव में ही रहने वाले दबंग भू माफियाओं की मदद से दबंग महिला कालीबाई पत्नी सरमन उसके पति सरमन पुत्र खित्ते, दलपत रंजोरे अर्जुन पुत्रगण हल्का, प्यारेलाल पुत्र पर्वत, बारेलाल पुत्र हल्का आदि ने एक राय होकर तत्कालीन लेखपाल रश्मि एवं राजस्व निरीक्षक उदयवीर सिंह, चंद्रभान सिंह की मदद से अवैध रूप से कब्जा कर लिया था। इस मामले को लेकर वह तत्कालीन जिलाधिकारी के समक्ष उपस्थित हुआ था, जहां जिला अधिकारी के निर्देश पर इस मामले की जांच कराई गई थी, जिसमें अवैध कब्जा होना इस लिए नहीं पाया गया था, की जिनकी मिली भगत से अवैध कब्जा कराया गया था, वहीं जांच करने के लिए गए थे। इसके बाद वह लगातार कई सालों से जिला स्तरीय अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री स्तर तक इस मामले को लेकर भटकता रहा और कई वायरस मामले की जांच कराई गई जिसमें अवैध कब्जा होना भी पाया गया था। चुकी शुरुआत ही दौर में लेखपाल और राजस्व निरीक्षक की सह पर हुए कब्जे के कारण उनके फसाने का डर था इसलिए बार-बार जांच रिपोर्ट में हेरा फेरी की गई और अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की गई जिस कारण उसे आज तक न्याय नहीं मिल पाया है। इस मामले को लेकर अवैध कब्जा हटवाने हेतु टीम भी घटित की गई थी जिसमें जिलाधिकारी अपर जिला अधिकारी उप जिला अधिकारी आदि ने मौके पर जांच की वह अवैध कब्जा हटवाने हेतु कई बार आदेश संबंधित तहसीलदार ललितपुर राजस्व निरीक्षक हल्का लेखपाल एवं चकबंदी लेखपाल राजस्व निरीक्षक आदि को किया गया लेकिन उन्होंने भी इसलिए इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं कि उनके ही कर्मचारी हंसते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान उसे दबंग पक्षियों द्वारा परिवार सहित जान से मारने की धमकी आ रही है जिससे वह अब डरा हुआ है और इस मामले को लेकर उसने पुलिस अधीक्षक खूबी शिकायती पत्र दिया था। इतना ही नहीं इस दौरान राजस्व कर्मियों ने 60 गांठ कर पैसा लेकर विपक्षी कलीबाई और उसके परिजनों के नाम विधि विरुद्ध अवैध पट्टा भूमि संख्या 142 पर 122 बी (4एफ) के अंतर्गत किया गया था, जिसे तत्काल निरस्त किया जाए। इस दौरान पीड़ित ने यह भी हवाला दिया कि यदि उसके मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया और इस इंसाफ नहीं मिला, तो पहले तो वह सार्वजनिक रूप से परिवार सहित धरना प्रदर्शन अनशन करेगी और उसके बाद परिबार सहित ही आत्महत्या भी कर सकता है, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

महरौनी पुलिस की कार्रवाई

» जुआ खेलते पांच आरोपी गिरफ्तार, 9,240 रुपये नकद बरामद

» खंडहरनुमा मकान के पास ताश के पत्तों पर लग रही थी हार-जीत की बाजी

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना महरौनी पुलिस ने जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ताश के पत्तों के साथ कुल 9,240 रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार सभी आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। 20 अगस्त 2026 की शाम करीब छह बजे उपनिरीक्षक अरविन्द कुमार को मुखबिर से सूचना मिली कि अजान रोड पर ग्राम मिदरवाहा के बाहर कुछ लोग खंडहरनुमा मकान के पास ताश के पत्तों पर रुपये लगाकर हार-जीत का जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर उपनिरीक्षक अरविन्द कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस टीम ने मौके पर पांच लोगों को ताश के पत्तों पर रुपये की बाजी लगाते हुए पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ग्राम मिदरवाहा निवासी मनोज पुत्र बालचंद्र अहिरवार, क्षितिज उर्फ सतीश पुत्र बलवंत सिंह राजा, शिवचरण पुत्र मुन्नालाल वंशकार, जीतू उर्फ राघवेंद्र पुत्र रामसहाय अहिरवार तथा मड़ावरा के ग्राम धवा निवासी प्रेमलाल पुत्र मुन्नालाल अहिरवार के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से जुए की फड़ पर रखे 2,830 रुपये, ताश की गडडी तथा आरोपियों की जामा तलाशी में 6,410 रुपये बरामद किए। इस तरह पुलिस के अनुसार कुल 9,240 रुपये नकद बरामद हुए। इस कार्रवाई के बाद थाना महरौनी में सभी पांच आरोपियों के विरुद्ध सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 13 जी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से पैदल जा रहे युवक की मौत, चालक फरार

नारायनपुरा मुर्गी फार्म के पास हुआ हादसा

पलटे ट्रैक्टर के नीचे दब गया था युवक, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

ललितपुर। थाना तालबेहट क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से पैदल घर लौट रहे 25 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा नारायनपुरा मुर्गी फार्म के पास हुआ। टक्कर के बाद ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया और युवक उसके नीचे दब गया। सूचना पर पहुंचे परिजन और ग्रामीण घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालबेहट ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम पिपरई मजरा जामुनवारी निवासी नीरज का छोटा भाई गिरवर पुत्र स्व. अवतार सिंह यादव पांच अगस्त की दोपहर अपनी रिश्तेदारी दौलता से पैदल घर लौट रहा था। करीब दो बजे वह नारायनपुरा मुर्गी फार्म के पास पहुंचा। इसी दौरान पीछे से आ रहे पावर ट्रैक ट्रैक्टर संख्या यू.पी. 94 ए.एल. 8159 के चालक ने वाहन को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए गिरवर को पीछे से टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शी के रूप में बताए गए संजू पुत्र बृजभान ने हादसा देखकर परिजनों को सूचना दी। टक्कर के बाद ट्रैक्टर पलट गया और गिरवर उसके नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन एवं ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सरकारी एंबुलेंस की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालबेहट पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के भाई नीरज ने बताया कि भाई के अंतिम संस्कार और क्रिया-कर्म में व्यस्त होने के कारण थाने में सूचना देने में कुछ विलंब हुआ। पुलिस ने तहरीर के आधार पर थाना तालबेहट में बीएनएस की धारा 281, 125(बी) और 106(1) के तहत अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

अभिषेक जैन अनौरा बने ग्रापए तहसील ललितपुर के संरक्षक

त्रैमासिक समीक्षा बैठक में संगठन विस्तार और पत्रकार सम्मेलन की तैयारियों पर मंथन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील ललितपुर की त्रैमासिक समीक्षा बैठक स्थानीय पं. गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकार भवन में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अध्यक्षता करते हुए जिला कोषाध्यक्ष अमित कालरा ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन निरंतर मजबूत स्थिति के साथ आगे बढ़ रहा है। संगठन पत्रकार हितों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्य अतिथि जिला मंत्री सुरेन्द्र रजक करमरा ने कहा कि आने वाले दिनों में संगठन का और विस्तार किया जाएगा तथा अधिक से अधिक पत्रकारों को संगठन से जोड़कर इसे मजबूत बनाया जाएगा। जिला उपाध्यक्ष हरिओम निरंजन ने कहा कि आगामी समय में संगठन की सघन बैठकें आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि 12 सितंबर को होने वाली जिला स्तरीय बैठक में आगामी 28 सितंबर को प्रस्तावित पत्रकार सम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से जिला स्तरीय बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आह्वान किया। तहसील अध्यक्ष विवेक जैन अभिलाषा ने कहा कि 28 सितंबर को आयोजित होने वाला पत्रकार सम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह भव्य एवं ऐतिहासिक होगा। कार्यक्रम में जिले के बाहर से भी विशेष अतिथियों के पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने की जिम्मेदारी तहसील ललितपुर के प्रत्येक सदस्य की होगी। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से अभिषेक जैन अनौरा को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील ललितपुर का तहसील संरक्षक मनोनीत किया गया। वहीं विशेष अतिथि अजित जैन भारती का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। संचालन तहसील महामंत्री समीर पठान एवं राजवीर जाट ने किया। अंत में तहसील महामंत्री रमन सरदार ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष सम्राट राजा, जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर पाल, जिला मंत्री शोहिब खान, तहसील उपाध्यक्ष नवीन नायक, शिवम तिवारी, तहसील कोषाध्यक्ष अंकित गुप्ता, तहसील मंत्री ऋतिक कटारे, हर्ष चौबे, तहसील ऑडिटर अभिषेक पांडेय, दीपेश राय, अभिषेक मिश्रा, शंकरलाल रैकवार, हरगोविंद लोधी, अरविंद कुशवाहा, जीवनलाल पाल, आशीष गुप्ता, सुरेन्द्र निरंजन, आनंद स्वामी, मुक्तदिर खान, जलज सैनी, अभिषेक जैन, वीरेंद्र सैनी, केपी राजा सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई ने किया हिन्दू हृदय सम्राट बाबू कल्याण सिंह जी को याद

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष पं हरिश्चंद्र रावत के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारियों के साथ श्रीराम मंदिर आंदोलन के अग्रदूत, सुशासन के प्रतीक, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री,'पद्म विभूषण' श्रद्धेय कल्याण सिंह 'बाबूजी' की पुण्यतिथि पर उन्हें याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्रद्धेय 'बाबूजी' की पावन स्मृतियों को याद किया गया और उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पार्पण किये गये।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने कहा कि हिन्दू हृदय सम्राट बाबू कल्याण सिंह जी जन जन के नेता थे ।वे किसानों के हित की लगातार चिंता करते थे ।एक समय उत्तर प्रदेश में कृषि उत्तराधिकार में पिता के बाद पुत्रों को भूमि पर अधिकार मिल जाता था और पत्नी या मां का कुछ अधिकार नहीं रहता था ।बाबू जी ने भूमि सुधार कर नया कानून बना कर पुत्रों के साथ पत्नी या मां को अधिकार दिलाने का काम कर उनका भविष्य सुरक्षित करने का काम किया। जिला महामंत्री गौरव गौतम ने कहा कि हिन्दू हृदय सम्राट बाबू कल्याण सिंह जी ने राम मंदिर के पीछे अपनी सरकार कुर्बान कर दी थी । उनको लेकर हिन्दू समाज में अगाध श्रद्धा और भक्ति थी ।आज जो भव्य राम मंदिर अयोध्या में स्थापित है उसके मुख्य सूत्रधार बाबू कल्याण सिंह जी ही थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने की एवं संचालन जिला महामंत्री हरीराम सिंह लोधी एड ने किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत, जिला महामंत्री गौरव गौतम, हरीराम सिंह लोधी एड,रजनी अहिरवार, जिला मीडिया प्रभारी देवेन्द्र गुरु, जिला उपाध्यक्ष रुचिका बुन्देला, महेश श्रीवास्तव भैया,प्रान्तीय प्रतिनिधि शशिशेखर पांडेय, युवा मोर्चा नेता देवेन्द्र सिंह बरौदिया,अजय जैन साइकिल, अशोक साहू दाऊ,सुनील मिश्रा,आदि उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन से पहले पुलिस ने लौटाई 111 लोगों के चेहरे की मुस्कान

21 लाख के मोबाइल बरामद

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

रक्षाबंधन के पावन पर्व से ठीक पहले ललितपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों से गुम या खोए हुए 111 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 21 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस की इस पहल से अपना खोया मोबाइल वापस पाने वाले लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने ललितपुर पुलिस का आभार जताया। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देश पर जनसुनवाई के दौरान प्राप्त खोए व गिरे मोबाइल फोन से संबंधित प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लेते हुए सर्विलांस टीम और थानों पर गठित पुलिस टीमों को मोबाइल बरामदगी के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे। अभियान के तहत पुलिस टीम ने तकनीकी सर्विलांस की मदद से देश के कई राज्यों तथा उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों से विभिन्न कंपनियों के कुल 111 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन बरामद किए। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई ने पुलिस लाइन के सभागार कक्ष में बरामद किए गए मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किए। लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। मोबाइल स्वामियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए ललितपुर पुलिस का हृदय से धन्यवाद किया। पुलिस के अनुसार बरामद किए गए 111 मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत करीब 21 लाख रुपये है। पुलिस की इस कार्रवाई से उन नागरिकों को राहत मिली, जिनके मोबाइल फोन गुम होने के बाद वापस मिलने की उम्मीद कम हो गई थी। मोबाइल फोन की बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पुलिस टीम के प्रयासों की पुलिस अधीक्षक ने सराहना की और टीम को पुरस्कृत किया। इसमें सर्विलांस प्रभारी उपनिरीक्षक अरुण पंवार, स्वाट टीम प्रभारी उपनिरीक्षक अतुल तिवारी, हेड कांस्टेबल जिनेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल प्रशान्त कुमार, कांस्टेबल रोहित कुमार, कांस्टेबल मो. आमिर, कांस्टेबल मोहित सिंह आदि शामिल रहे।

ई-रिक्शा चलाने को लेकर दिव्यांग चालक पर हमला

लोहे की रॉड से पीटा, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ललितपुर। शहर में ई-रिक्शा संचालन को लेकर हुए विवाद में एक दिव्यांग चालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि क्षेत्र में सवारी बैठाने को लेकर दबंगों ने ई-रिक्शा चालक पर लोहे की रॉड, लात-घूंसों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के संबंध में कोतवाली पुलिस ने नामजद सहित तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुरईघाट कॉलोनी निवासी इमरान खान ने बताया कि वह 50 प्रतिशत दिव्यांग हैं और किराये का ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। आरोप है कि ग्राम पिपरिया बंसा निवासी शैलेन्द्र यादव उन्हें लंबे समय से रेलवे स्टेशन क्षेत्र में ई-रिक्शा न चलाने और उस इलाके में सवारी न बैठाने को लेकर धमकाता था। शैलेन्द्र का कहना था कि वह क्षेत्र केवल उसकी टैक्सी के लिए है। 17 अगस्त की शाम करीब छह बजे वह जुगपुरा के पास माता मंदिर के निकट अपने ई-रिक्शा के साथ खड़े थे। इसी दौरान शैलेन्द्र यादव अपने दो अन्य साथियों के साथ वहां पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने लोहे की रॉड तथा लात-घूंसों से मारपीट की, जिससे उनके दिव्यांग पैर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद आरोपी भविष्य में उस क्षेत्र में ई-रिक्शा चलाने पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने शैलेन्द्र यादव एवं दो अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 115(2) और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने पर मंथन

हरा चारा उत्पादन, बायोगैस, प्राकृतिक खेती और पंचगव्य उत्पादों के निर्माण-विपणन की दी गई जानकारी

ललितपुर। जनपद की वृहद विकास खण्ड जखौरा के गौ संरक्षण केंद्र भौंरसिल में गौशाला को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रथम दिन 20 अगस्त 2026 को गौ संरक्षण सेवा समिति के तत्वावधान में गोष्ठी, प्रशिक्षण शिविर एवं गौकथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गौशाला संचालन से जुड़े लोगों, किसानों और पशुपालकों को गो आधारित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण शिविर में वर्षभर हरे चारे के उत्पादन, गौशाला में बायोगैस संयंत्र की स्थापना, गो आधारित प्राकृतिक कृषि तथा पंचगव्य उत्पादों के निर्माण एवं विपणन के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों ने गौशालाओं को केवल संरक्षण केंद्र के रूप में न रखकर उन्हें विभिन्न आय सृजन गतिविधियों से जोडऩे पर जोर दिया। इस दौरान संत मुकेश आनंद द्वारा भारतीय ग्रंथों में वर्णित गौ एवं उससे जुड़े विभिन्न विषयों को समाहित करते हुए भव्य गौकथा का आयोजन किया गया। गौकथा में गौ संरक्षण, भारतीय परंपरा और गौ आधारित जीवन पद्धति से जुड़े विषयों पर श्रद्धालुओं एवं उपस्थित लोगों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए कृषकों एवं पशुपालकों के साथ ही जिले में गौशालाओं का संचालन करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में गौ-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम विहारी गुप्ता, सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, जिलाध्यक्ष हरिशचन्द्र रावत, सीडीओ शेषनाथ चौहान, झांसी मंडल क अपर निदेशक ग्रेड-2 डा.अरविन्द कुमार सागर, सीवीओ डा.भगवान सिंह, उप सीवीओ सदर डा.संदीप कुमार सहित पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी एवं चिकित्साधिकारी मौजूद रहे। आयोजकों के अनुसार तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य गौशालाओं को उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाना है। इसके तहत गोबर और गौमूत्र आधारित उत्पादों के निर्माण, जैविक एवं प्राकृतिक कृषि तथा चारे की उपलब्धता जैसे विषयों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

तिरंगे की शान के साथ अधिकारों की हुंकार, अटेवा की तिरंगा यात्रा ने दिया संघर्ष का संदेश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

राष्ट्रप्रेम और अधिकारों की बुलंद आवाज के साथ अटेवा पेंशन बचाओ मंच के तत्वावधान में आयोजित तिरंगा यात्रा में शिक्षक एवं कर्मचारी पूरे उत्साह और दृढ़ संकल्प के साथ शामिल हुए। हाथों में तिरंगा और मन में अपने अधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता लिए प्रतिभागियों ने देश की एकता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

तिरंगा यात्रा के माध्यम से अटेवा ने पुरानी पेंशन बहाली, निजीकरण के खिलाफ आवाज और सेवारत शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्ति के मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाया एवं माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन.... को सौंपा। अटेवा जिलाध्यक्ष रामेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि कर्मचारी और शिक्षक राष्ट्र निर्माण की रीढ़ हैं। उनके भविष्य की सामाजिक सुरक्षा से खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जा सकता। पुरानी पेंशन की बहाली कर्मचारियों के सम्मानजनक भविष्य का सवाल है, वहीं निजीकरण से सरकारी व्यवस्था और आम जनता के हित प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि वर्षों से पूरी निष्ठा के साथ शिक्षण कार्य कर रहे सेवारत शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता के दायरे में लाना न्यायसंगत नहीं है। शिक्षक सम्मान और सुरक्षित शिक्षा व्यवस्था के लिए इस मुद्दे पर भी संघर्ष जारी रहेगा।

तिरंगा यात्रा ने स्पष्ट संदेश दिया कि शिक्षक और कर्मचारी अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं और पुरानी पेंशन बहाली, निजीकरण की समाप्ति तथा सेवारत शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्ति के लिए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से संघर्ष को और व्यापक बनाएंगे। यह यात्रा केवल तिरंगे को सम्मान देने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले शिक्षक-कर्मचारियों के सम्मान, अधिकार और सुरक्षित भविष्य की बुलंद आवाज बनकर सामने आई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष रामेन्द्र सिंह यादव, महामंत्री जे पी गौतम, कोषाध्यक्ष संजय बिजरौनिया, जिला संरक्षक धीरेंद्र जैन पूर्व अध्यक्ष इंदर सिंह पटेल मीडिया प्रभारी बृजेश कुशवाहा शैलेन्द्र गोस्वामी हिमांशु पटेल जे पी कुशवाहा प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विनोद निरंजन पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मुनीर अहमद महामंत्री राजेश साथ एससी एसटी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्याम बिहारी महामंत्री संजीव सिद्धार्थ यूटा अध्यक्ष अनिल राठौड़ विरवेंद्र यादव रियाज अहमद विशाल मलैया विनय सत्येंद्र जैन राजीव गुप्ता परशुराम निरंजन रविन्द्र विनोद सिंह दयाशंकर रजक राजेश अनुरागी दीप्ति रानी गुप्ता राहुल जैन अबरारूद्दीन मलिक शिवराज सिंह प्रमोद नामदेव कमलाकांत धर्मेन्द्र पुरोहित जितेंद्र जैन सूर्यभान यादव मयंक बबेले राम जीवन धीरेन्द्र प्रताप जयंदर प्रमोद सैनी खेमराज अनुरागी लेखपाल संघ के महामंत्री विक्रम निरंजन मृतक आश्रित शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सूरज, नवीन ,मयंक पटेल विनय रजक राम मिलन रजक अमी जैन अंतिम जैन योगेश सोनी विकास अभिषेक लाल सिंह अरविंद राजपूत जगभान राजेश दुलीचंद अंकुर गौतम अनिल मिश्रा कल्पराज युवराज जालिम प्रसाद राजकरन निर्मल बृजलाल प्रजापति चंद्रभान सिंह प्रदीप कोमल चंद्र शैलेंद्र कुमार पीयूष करोसिया निहाल कुमार शादाब बृजेश राजकुमार आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन को लेकर बैंक प्रबंधकों के साथ बैठक का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ और माननीय यादवेन्द्र सिंह, प्रभारी जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ललितपुर के निर्देशानुसार, आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ललितपुर के सचिव देवप्रिय सारस्वत ने की। बैठक में जिले के सभी प्रमुख बैंकों के प्रबंधकों ने भाग लिया।

बैठक में उपस्थित बैंक अधिकारियों में सौरभ पाराशर (पंजाब नेशनल बैंक), महावीर सिंह चौहान (केनरा बैंक), अजय कुमार (एक्सिस बैंक), दीपेन्द्र गोस्वामी (बैंक ऑफ बड़ौदा), राकेश कुमार (यूको बैंक), सुनील गुप्ता (बैंक ऑफ इंडिया), एवं अमन गुप्ता (उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक) शामिल थे।

बैठक का उद्देश्य आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को नियत कर जनता को न्याय का लाभ पहुँचाना था। प्रबंधकों से अपेक्षा की गई कि वे अपने बैंक शाखाओं में वादों का निस्तारण सुनिश्चित करें ताकि जनता को त्वरित और सुलभ न्याय मिल सके। इस बैठक का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया को सशक्त बनाना और जनता के हित में वादों का शीघ्र समाधान करना है।

ग्रामीणों को लेकर देवीय स्थल पर पिकअप लेकर गए ड्राइवर की अचानक गिरकर हुई मौत

परिजनों ने हार्ट अटैक आने से मौत होने की जताई संभावना , शव भेजा पोस्टमार्टम हाउस

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना पाली क्षेत्र के अंतर्गत स्थानीय कस्बे के कुरयाना मोहल्ला में रहने वाले एक पिकअप ड्राइवर की अचानक उस समय मौत हो गई, जब वह पिकअप लेकर श्रद्धालुओं के साथ देवीय स्थल पर गया हुआ था। बताया गया है की मौत होने के बाद पुलिस को सूचना दी गई. घटना की सूचना पर पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। परिजनों ने हार्ट अटैक से मौत होने की संभावना जताई है।

मिली जानकारी के अनुसार कस्बा पाली के वार्ड नंबर 2 मोहल्ला कुरयाना निवासी 45 वर्षीय राम प्रसाद पुत्र शिवलाल पिछले करीब 7 वर्षों से अपने जीजा के घर अपने छोटे भाई के साथ रहकर मेहनत मजदूरी कर रहा था. बताया गया है कि राम प्रसाद का जीजा अपने परिवार के साथ इंदौर में रह रहा है। बताया गया है कि रामप्रसाद अपने ही कस्बे के एक व्यापारी की पिकअप गाड़ी लेकर मोहल्ले के ही कुछ श्रद्धालुओं के साथ गांव से कुछ ही दूरी पर स्थित देवीय स्थल पंनया गया हुआ था. जब ग्रामीण यहां पर कथा आदि कर रहे थे, तभी रामप्रसाद की अचानक तबीयत बिगड़ी और वह यहीं पर गिरकर बेहोश हो गया। क्योंकि खराब मौसम के चलते उसे कस्बा पाली लाने में थोड़ी देर हो गई। जब उसके साथ मौजूद लोग उसे पाली लेकर आए, तो परीक्षण के दौरान राम प्रसाद को मृतक घोषित कर दिया गया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची थाना पाली पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक के परिजनों ने उसकी हार्ट अटैक से मौत होने की संभावना जताई है। बताया गया है कि पिछले 7 सालों से कस्बा पाली में रह रहा था, जबकि वह मूल निवासी सागर जनपद का बताया गया है।

कृषि यंत्रों के लिए ई-लॉटरी से हुआ लाभार्थियों का चयन

विकास भवन सभागार में जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति की मौजूदगी में ब्लॉकवार पूरी हुई प्रक्रिया

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

कृषि यंत्रीकरण की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुदान पर कृषि यंत्र प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन बुकिंग कराने वाले किसानों के चयन की ई-लॉटरी प्रक्रिया विकास भवन सभागार में संपन्न हुई। ई-लॉटरी जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति की ओर से सीडीओ की अध्यक्षता में कराई गई। ई-लॉटरी में 10 हजार रुपये से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों के लिए किसानों का चयन किया गया। यह प्रक्रिया सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन, प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजीड्यू सहित कृषि यंत्रीकरण की अन्य योजनाओं के अंतर्गत ऑनलाइन टोकन बुक कराने वाले लाभार्थियों के लिए आयोजित की गई। ई-लॉटरी की प्रक्रिया विकासखंडवार संपन्न कराई गई। प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सबसे पहले प्रत्येक कृषि यंत्र के लिए मॉक ड्रिल कराई गई और इसके बाद ऑनलाइन बुकिंग कराने वाले किसानों के चयन की ई-लॉटरी की गई। ई-लॉटरी के दौरान उप कृषि निदेशक अख्तर हुसैन, कृषि विज्ञान केंद्र खिरियामिश्र अध्यक्ष डा. मुकेश चन्द्र, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अर्पित जैन, जिला उद्यान अधिकारी राजेन्द्र, जिला कृषि अधिकारी रंजीत कुमार चौरसिया, नाबार्ड जिला प्रबंधक सलिल कुमार अर्कवंशी, लीड बैंक प्रतिनिधि संदीप कुमार, नामित प्रगतिशील कृषक सुरेश कुमार, रविन्द्र सिंह एवं रामस्वरूप निरंजन, सेल्फ हेल्प ग्रुप की प्रतिनिधि ममता चौबे एवं रानी राजपूत, अवर अभियंता प्रवेन्द्र कुमार सिंह, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक वर्ग-बी मनमोहन साह सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। ई-लॉटरी में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से कृषि यंत्रों के लिए टोकन बुक कराने वाले किसान भी उपस्थित रहे। विभागीय अधिकारियों ने पूरी प्रक्रिया को निर्धारित नियमों के अनुसार संपन्न कराया।

मण्डी स्थानान्तरित पहल से शहर को जाम एवं भीड़ से राहत, बैठक में व्यापार बंधुओं ने जताया आभार

व्यापार बंधु समिति की बैठक में व्यापारियों की समस्याओं को अपर जिलाधिकारी ने गंभीरता से सुना, सम्बंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के दिये निर्देश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के निर्देशन में शुक्रवार को कलैक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता में जिला व्यापार बंधु समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न व्यापार मण्डलों के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों की समस्याओं को एक-एक कर गंभीरता से सुना गया तथा सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए।

बैठक में व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने शहर में लंबे समय से बनी जाम एवं अत्यधिक भीड़ की समस्या के समाधान के लिए जिलाधिकारी सत्य प्रकाश द्वारा की गई पहल की सराहना की। व्यापारियों ने सब्जी मण्डी एवं आड़तियों की दुकानों को नवीन मण्डी समिति अमरपुर में स्थानान्तरित किये जाने पर जिलाधिकारी सत्य प्रकाश का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके इस निर्णय से शहरवासियों एवं व्यापारियों को जाम और भीड़ की समस्या से काफी राहत मिली है। व्यापारियों ने कहा कि जिलाधिकारी ने अपनी प्रशासनिक इच्छा शक्ति एवं दृढ़ नेतत्व का परिचय देते हुए इस महत्वपूर्ण कार्य को प्राथमिकता से लिया है और अपनी पूरी प्रशासनिक टीम को प्रभावी ढंग से लगाया। लंबे समय से चली आ रही शहर की जाम एवं भीड़ की समस्या के समाधान की दिशा में यह कदम अत्यन्त महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। व्यापारियों ने जिलाधिकारी के प्रयासों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

बैठक के दौरान जिला महामंत्री अनिज जैन बबड़ी ने अवगत कराया कि श्री शिखर चंद जैन के घर के सामने नाली में काफी पुराना एवं जर्जर विद्युत पोल लगा है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी है। अपर जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सम्बंधित अधिशासी अभियंता के साथ उप जिलाधिकारी को भी निर्देशित किया कि विद्युत विभाग से समन्वय स्थापित कर जर्जर विद्युत पोल को बदलवाना सुनिश्चित करें। जिला महामंत्री अजीत कुमार जैन अज्जू बाबा द्वारा सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विनोद कुमार शर्मा के सम्बंध में पूर्व में गई शिकायतों का मुद्दा उठाया गया, इस प्रकरण में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे को जांच अधिकारी नामित किया गया था, किन्तु अभी तक जांच आख्या प्राप्त न होने के कारण कार्यवाही लंबित थी, अपर जिलाधिकारी दिनेश कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे से दूरभाष पर वार्ता की तथा एक सप्ताह में जांवच आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने व्यापारियों को आस्वस्त किया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही उसके आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

जिला महामंत्री अनिल जैन द्वारा व्यापारियों को बैंकों के माध्यम से बेहतर सुविधाएं एवं योजनाओं का लाभ दिलाये जाने से सम्बंधित प्रस्ताव रखे, इस पर अपर जिलाधिकारी ने लीड बैंक मैनेजर को निर्देशित किया कि व्यापारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए उन्हें बैंकिंग सेवाओं एवं शासन द्वारा संचालित वित्तीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उपलब्ध कराया जाए। अपर जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी व्यापारी बंधुओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और सम्बंधित अधिकारियों को उनके प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन उद्योग एवं व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने व्यापार एवं उद्योग बंधुओं से अपील की कि वे जनपद में ऐसे नये विचारों एवं व्यवसायिक गतिविधियों पर भी मंथन करें, जिनसे अधिक से अधिक स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रशासन और व्यापारियों के संगठनों के समन्वित प्रयासों से जनपद में व्यापार, उद्योग एवं रोजगार को नई गति दी जा सकती है। बैठक का संचालन नीरज शुक्ला सहायक आयुक्त राज्य कर द्वारा किया गया एवं आभार कमलेश सर्राफ के द्वारा व्यक्त किया गया। बैठक में सुरेश बढेरा सहित बडी संख्या में व्यापारी नेता उपस्थित रहें।

एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन की जिलाध्यक्ष बनीं बसंती लारिया

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन (आई) ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने की दिशा में ललितपुर जिले में नई जिम्मेदारी सौंपी है। एसोसिएशन के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पीयूष राय ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.एस. शर्मा की अनुमति एवं संगठन के अनुमोदन के बाद सांई सर्वश्रेष्ठ भारत गैस की संचालक श्रीमती बसंती लारिया को एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन (आई) का ललितपुर जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन की ओर से जारी नियुक्ति अधिसूचना में बसंती लारिया को ललितपुर जिले में संगठन की गतिविधियों को गति देने तथा एलपीजी वितरकों को संगठित करने की जिम्मेदारी दी गई है। उनकी गैस एजेंसी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) से संबद्ध है। प्रदेश अध्यक्ष पीयूष राय ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष से अपेक्षा की है कि वह संगठन की नीतियों एवं उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करते हुए जिले के एलपीजी वितरकों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाएंगी और उनके हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगी। साथ ही निर्धारित अवधि में ललितपुर जिले की कार्यकारिणी का गठन कर इसकी सूचना प्रदेश कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। बसंती लारिया ने जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर संगठन के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि ललितपुर जिले के सभी एलपीजी वितरकों को साथ लेकर उनकी समस्याओं के समाधान, अधिकारों एवं हितों की रक्षा तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। बसंती लारिया के जिलाध्यक्ष मनोनीत होने पर एलपीजी वितरकों, सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों तथा शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त खबरें

जमीन के विवाद में लाठी-डंडों व कुल्हाड़ी से हमला, महिला समेत तीन पर मुकदमा

स्कूटी छिपाने की बात को लेकर घर के दरवाजे पर बैठे व्यक्ति से मारपीट का आरोप

ललितपुर। थाना तालबेहट क्षेत्र के ग्राम थानागांव में जमीन पर कब्जे को लेकर चल रहे विवाद के बीच स्कूटी छिपाने की बात को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि घर के दरवाजे पर बैठे व्यक्ति के साथ तीन लोगों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की और एक आरोपी ने धारदार कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में पीड़ित के हाथ में गंभीर चोट आई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने एक महिला समेत तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम थानागांव निवासी परशुराम लोधी पुत्र नारायण सिंह 19 अगस्त की शाम करीब साढ़े छह बजे अपने घर के दरवाजे पर बैठे थे। इसी दौरान गांव के ही दयाराम लोधी पुत्र कैलाश, उसकी पत्नी सविता और कैलाश की पत्नी रामकुंवर वहां पहुंचीं।

आरोप है कि तीनों स्कूटी छिपाने की बात को लेकर परशुराम से गाली-गलौज करने लगे। तहरीर के मुताबिक परशुराम ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसी दौरान दयाराम ने धारदार कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे परशुराम के बाएं हाथ में कोहनी के पास गंभीर चोट आई। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस को बताया कि आरोपियों के डर और लगातार धमकियों के कारण वह तत्काल थाने पहुंचकर शिकायत नहीं कर सका। बाद में उसने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर थाना तालबेहट में बीएनएस की धारा 115(2), 118(1), 352 और 351(3) के तहत दयाराम लोधी, सविता और रामकुंवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम ने कसा शिकंजा

» खराब प्रगति पर चिकित्साधिकारियों को फटकार
» जननी सुरक्षा, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, आयुष्मान भारत और टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक की। बैठक में उन्होंने जनपद में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए सभी चिकित्सा अधिकारियों को जनपदवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा शासन की योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपदवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी की जिम्मेदारी तय करते हुए दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना, नियमित टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सहित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से योजनावार प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कम प्रगति के कारणों की जानकारी ली।

जननी सुरक्षा योजना के तहत एएनसी पंजीकरण कम पाए जाने पर महरौनी के एमओआईसी एवं बीपीएम को कड़ी चेतावनी दी गई। वहीं एनसीडी स्क्रीनिंग की कम प्रगति पर बिरधा एवं तालबेहट के एमओआईसी को कार्य में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। विभिन्न स्वास्थ्य मानकों पर लगातार खराब प्रदर्शन पाए जाने पर जखौरा के एमओआईसी को आगामी दो माह में प्रगति सुधारने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि अपेक्षित सुधार नहीं होने पर उन्हें प्रशासनिक कार्य से हटाया जा सकता है। साथ ही जखौरा के बीपीएम को पूर्व तैनाती स्थल पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए। आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान की कम प्रगति पर संबंधित एमओआईसी एवं बीपीएम को भी कार्य में सुधार की कड़ी चेतावनी दी गई। जिलाधिकारी ने टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की ब्लॉकवार प्रगति की भी समीक्षा की। विकासखंड बिरधा, महरौनी, बार एवं जखौरा में अभियान की प्रगति संतोषजनक नहीं मिलने पर संबंधित चिकित्सा अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने अभियान में तेजी लाते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने की चेतावनी दी। इसी प्रकार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित कर्मचारियों का मानदेय प्रगति में सुधार होने तक आहरित न करने के निर्देश दिए। बैठक में सीएमओ डा.वीरेंद्र सिंह, डीपीओ नीरज सिंह, बीएसए रत्नेश कुमार, डीआईओ, डीपीएम डा. रजिया फिरोज, सभी एमओआईसी, डीएमओ सहित अन्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

सिद्दनपुरा में चार सीसी सड़क व नाली निर्माण कार्यों का भूमि पूजन

» हर वार्ड तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाना हमारी प्राथमिकता : सोनाली जैन
» विकास कार्य पूरे होने से आवागमन सुगम होगा, जलभराव की समस्या से मिलेगी राहत

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

नगर पालिका परिषद की ओर से नगर के समग्र एवं संतुलित विकास को गति देने के लिए विभिन्न वार्डों में आधारभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य लगातार कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को वार्ड नंबर-01 के मोहल्ला सिद्दनपुरा में चार सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया गया। नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने वार्ड पार्षद सोनसिंह यादव के साथ पूजा-अर्चना कर विकास कार्यों का शुभारंभ किया। भूमि पूजन के दौरान क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में मौजूद नागरिकों ने नपाध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद का पुष्पमालाओं से स्वागत एवं सम्मान किया। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में विकास कार्य शुरू कराए जाने पर पालिका प्रशासन का आभार जताया। नागरिकों ने बताया कि लंबे समय से सड़क और जल निकासी की समस्या के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद आवागमन सुगम होने के साथ ही बरसात के दौरान होने वाले जलभराव से भी राहत मिलने की उम्मीद है। नपाध्यक्ष ने कहा कि नगर का प्रत्येक वार्ड उनके लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है। प्रत्येक नागरिक तक बेहतर आधारभूत सुविधाएं पहुंचाना नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केवल निर्माण कार्य कराना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि ऐसी व्यवस्थाएं विकसित करना लक्ष्य है, जिससे नागरिकों का जीवन सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक बन सके। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली और जल निकासी जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया जा रहा है। इससे जलभराव जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान करने में मदद मिलेगी। जनता ने जिस विश्वास के साथ नगर की सेवा का अवसर दिया है, उस विश्वास को बनाए रखते हुए विकास कार्य पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ कराए जा रहे हैं। कहा कि आने वाले समय में भी नगरहित को सर्वोपरि रखते हुए स्वच्छ, सुंदर, व्यवस्थित एवं आधुनिक ललितपुर के निर्माण के लिए विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि नगर के प्रत्येक क्षेत्र में आवश्यकतानुसार आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर विकास की इस यात्रा को आगे बढ़ाया जाएगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में वार्ड पार्षद सोनसिंह यादव, प्रभारी सफाई निरीक्षक महेंद्र सिंह यादव, सेवानिवृत्त लिपिक रमाकांत तिवारी, नजूल लिपिक सुधीर रावत, गैरिज प्रभारी अमित कुमार, धीरेन्द्र घावरी सहित बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी उपस्थित रहे।

अपहरण कर बंधक बनाने और जबरन जमीन का बैनामा कराने का आरोप

» अनाथ दलित युवक ने जिलाधिकारी से लगाई न्याय की गुहार
» बैंक सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम करगन निवासी एक युवक ने कुछ लोगों पर अपहरण कर बंधक बनाने, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देकर उसकी जमीन का जबरन बैनामा कराने तथा बैंक लेनदेन में फर्जीवाड़ा करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही घटना से संबंधित बैंक के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने की गुहार लगाई है। ग्राम करगन निवासी ऋषी पुत्र स्व.रामकिशन ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसके माता-पिता की बचपन में ही मृत्यु हो चुकी है। वर्ष 2022 में उसके पितामह की मृत्यु के बाद वह करीब 14 वर्ष की उम्र में संपत्ति का वारिस बना था। वर्तमान में वह डबराकलां में रह रहा है। बताया कि 24 जून 2026 को दोपहर करीब तीन बजे वह गांव में मौजूद था। इसी दौरान रवीन्द्र यादव और बल्लू यादव उसे मोटरसाइकिल पर बैठाकर राखनचंपुर ले गए। आरोप है कि वहां से उसे दैलवारा के पास ले जाया गया और बाद में स्कार्पियो गाड़ी में बैठाकर एक कमरे में बंधक बना दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि वाहन पर प्रधान लिखा था और उसे रामसेवक का पुत्र तिलकराम चला रहा था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने युवक को शराब पिलाई तथा उसके सिर पर कट्टा रखकर जान से मारने की धमकी दी। उसका पैन कार्ड भी अपने कब्जे में ले लिया गया। पीड़ित के मुताबिक उसे डबराकलां, बिना स्थित निर्मा फैक्ट्री के पास सहित अलग-अलग स्थानों पर करीब चार दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया और इस दौरान उसके साथ मारपीट भी की गई। पीड़ित ने आरोप लगाया कि बंधक बनाए जाने के दौरान उसकी जमीन का उसकी वास्तविक सहमति के बिना बैनामा करा लिया गया। शिकायत के मुताबिक 30 जून 2026 को जमीन का बैनामा जीतू एवं उदल सिंह पुत्रगण तिलकराम, निवासी अमरपुर के नाम कराया गया। पीड़ित ने बैनामे में भुगतान के तौर पर दर्शाए गए यूनियन बैंक के चेक संख्या 011925 को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उसका आरोप है कि संबंधित चेक को लेकर बैंक खाते और चेकबुक संबंधी स्थिति संदिग्ध है तथा बाद में बैंक लेनदेन के माध्यम से चेक की राशि रामसेवक के खाते में पहुंचाई गई और भुगतान प्राप्त कर लिया गया। शिकायती पत्र में पीड़ित ने बैनामे में सुबेन्द्र पुत्र नाथूराम निवासी नकवानी तथा राकेश पुत्र नंदराम को गवाह बनाए जाने का भी उल्लेख किया है। उसका दावा है कि वह इन कथित गवाहों को जानता तक नहीं है। ऐसे में उसने बैनामे की पूरी प्रक्रिया की जांच कराए जाने की मांग की है। पीड़ित ऋषी ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही यूनियन बैंक में संबंधित तिथि के लेनदेन, पहचान और भुगतान से जुड़े सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य अभिलेख सुरक्षित कराए जाएं, ताकि मामले की वास्तविकता सामने आ सके।

विज्ञान बस बनी उत्सुकता का केंद्र दूरस्थ क्षेत्रों में कर रही है वैज्ञानिक सोच का विकास

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के प्रयासों से एवं जिला विद्यालय निरीक्षक ओम प्रकाश के निर्देशन में आईआईटी कानपुर एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वाधान में विज्ञान बस जनपद में उत्सुकता का केंद्र बनी हुई है इसी क्रम में विज्ञान बस श्री शांति निकेतन इंटर कॉलेज एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों को विज्ञान को करीब से समझने और उसके रहस्यों को जानने का अनूठा अवसर मिला। 'विज्ञान बस' भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों, उपकरणों और आधुनिक तकनीकों का अवलोकन अवधारणाओं को प्रयोगों और गतिविधियों के माध्यम से सरल एवं रोचक ढंग से समझाया।

विज्ञान बस में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रयोगों में सहभागिता की और विज्ञान से जुड़े सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कस्तूरबा गांधी की प्रधानाचार्या आरती ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से छात्राओं के जिज्ञासु मन में उठ रहे प्रश्नों को प्रयोगात्मक तरीके से समझने का अवसर प्राप्त होता है। इस दौरान जिला विज्ञान क्लब समन्वयक राहुल जैन, प्रधानाचार्य लवकुश यादव,शिक्षक सूर्यबली,सूर्यभान, प्रगति पाण्डेय, अफरीन सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना बनी निराश्रित बच्चों का सहारा

ललितपुर में 1773 लाभार्थी योजना से जुड़े, 911 बच्चों को मिली पहली किस्त की आर्थिक मदद

ललितपुर। जिले में निराश्रित एवं जरूरतमंद बच्चों के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सहारा बन रही है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की संवेदनशीलता और जिला प्रशासन की पहल से पात्र बच्चों को योजना का लाभ पहुंचाया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के दोनों घटकों के तहत पात्र लाभार्थियों को प्रथम किस्त की धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। जिला प्रशासन के अनुसार उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड-19) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 120 पात्र लाभार्थियों को प्रथम किस्त के रूप में 27 लाख 12 हजार रुपये की धनराशि से लाभान्वित किया जा चुका है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के अंतर्गत जिले में 1653 लाभार्थियों को योजना से जोड़ा गया है। इनमें वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 791 पात्र लाभार्थियों को प्रथम किस्त के रूप में 58 लाख 85 हजार रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। शेष पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ देने की प्रक्रिया जारी है। जिला प्रशासन ने योजना के सभी लाभार्थियों को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। शासन द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड-19) एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के अंतर्गत आधार बेस्ड पेमेंट प्रक्रिया लागू की जा रही है। ऐसे में लाभार्थियों को अपने बालक-बालिकाओं के आधार कार्ड से संबंधित बैंक खाते में डीबीटी/एनपीसीआई कराना अनिवार्य होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि संबंधित बैंक खाते में डीबीटी/एनपीसीआई नहीं कराया गया तो लाभार्थी योजना की धनराशि से लाभान्वित नहीं हो सकेंगे। सभी लाभार्थियों को बैंक में डीबीटी/एनपीसीआई की प्रक्रिया पूरी कराने के बाद इसकी सूचना जिला प्रोबेशन कार्यालय में अनिवार्य रूप से देने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन के अनुसार अब तक 318 लाभार्थियों द्वारा डीबीटी/एनपीसीआई कराया जा चुका है। शेष लाभार्थियों से भी जल्द से जल्द यह प्रक्रिया पूरी कराने की अपील की गई है, ताकि उन्हें योजना की आर्थिक सहायता प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिला प्रशासन का उद्देश्य योजना का लाभ पात्र एवं जरूरतमंद बच्चों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर एवं निराश्रित बच्चों की शिक्षा, पालन-पोषण और बेहतर भविष्य की दिशा में उन्हें आवश्यक सहायता मिल सके।

श्रावण मास में श्री किले के हनुमान मंदिर में मासपारायण, उमड़ रहे श्रद्धालु

महरौनी। पावन श्रावण मास के अवसर पर महरौनी नगर स्थित श्री 1008 किले के हनुमान मंदिर प्रांगण में मानस प्रचारिणी समिति के तत्वावधान में प्रतिदिन मास पारायण का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया जा रहा है। धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। मासपारायण के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहता है। श्रद्धालु सामूहिक रूप से धार्मिक पाठ में शामिल होकर भगवान श्री राम एवं हनुमान जी की आराधना कर रहे हैं। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक चेतना के साथ समाज में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक भावनाओं को मजबूत करना है। आयोजन को सफल बनाने में सुखनंदन तिवारी, रामकृष्ण नायक, हरदेव रावत, बाबूलाल नायक, जगदीश बिरथरे, ओमप्रकाश पालीवाल, शिव प्रसाद पुरोहित, रमेशचंद्र पांडेय, कृष्ण स्वरूप पटेरिया, बलराम पुरोहित, कैलाश नारायण सिसोदिया, ओमप्रकाश साहू, रामेश्वर प्रसाद सोनी, महिपाल सिंह, गणेश प्रसाद साहू, पं. विनीत पुरोहित, हर्ष सोनी, देवांश सोनी, सुरेश सहित अनेक श्रद्धालुओं का उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हो रहा है।

आज ललितपुर आएंगे प्रभारी मंत्री दानिश आजाद अंसारी

विकास परियोजनाओं और सरकारी योजनाओं की करेंगे समीक्षा

ललितपुर | प्रभारी मंत्री एवं अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी शनिवार 22 अगस्त को ललितपुर के दौरे पर आएंगे। अपने भ्रमण के दौरान प्रभारी मंत्री जिले में चल रही विकास परियोजनाओं एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। प्रभारी मंत्री सुबह 9.55 बजे ललितपुर पहुंचेंगे। सुबह 9.55 से 10.25 बजे तक लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से भेंट कर विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। इसके बाद 10.25 से 10.55 बजे तक प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय प्रशासनिक समन्वय समिति एवं कोर कमेटी की बैठक आयोजित होगी। बैठक में जिले से संबंधित प्रशासनिक एवं विकास कार्यों पर चर्चा की जाएगी। प्रभारी मंत्री सुबह 11 से दोपहर 12.30 बजे तक कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इस दौरान जिले में संचालित विकास परियोजनाओं, सरकारी योजनाओं तथा विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

विद्यालयों में आपदा प्रबंधन एवं सुरक्षा को लेकर जागरूकता प्रशिक्षण

600 से अधिक छात्र-छात्राओं ने लिया प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के निर्देश के क्रम में स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम के अंतर्गत जनपद के विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता प्रशिक्षण एवं सुरक्षा ऑडिट कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को आपदा की स्थिति में प्रभावी ढंग से बचाव एवं राहत कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना तथा विद्यालयों को आपदा के प्रति सुरक्षित एवं तैयार बनाना रहा।

इसी क्रम में सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में एवं सरस्वती मंदिर महाविद्यालय में विशेष जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में लगभग 600 छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को भूकंप, आगजनी सहित विभिन्न प्रकार की आपदाओं के समय क्या करें और क्या न करें, सुरक्षित निकासी, प्राथमिक बचाव एवं आपदा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही दामिनी एवं सचेत ऐप के उपयोग तथा विभिन्न माध्यमों से मौसम एवं आपदा संबंधी चेतावनियों की जानकारी प्राप्त करने के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति को प्रशिक्षित करते हुए विद्यालय आपदा प्रबंधन कार्ययोजना तैयार करने, आपदा की स्थिति में जिम्मेदारियां निर्धारित करने तथा छात्र-छात्राओं की विशेष टीम गठित कर उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया। फायर सेफ्टी एवं अन्य आपदा सुरक्षा उपायों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को सीपीआर (CPR) की उपयोगिता एवं आपात स्थिति में इसके सही तरीके से प्रयोग के संबंध में व्यावहारिक जानकारी दी गई, ताकि किसी आकस्मिक स्थिति में प्राथमिक सहायता प्रदान की जा सके। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की आपदा विशेषज्ञ श्रीमती आरती सिंह ने आपदा प्रबंधन एवं विद्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी। साथ ही तहसील में समस्त लेखपाल को राहत पोर्टल तथा ग्राम आपदा प्रबंधन समिति ग्राम आपदा प्रबंधन कार्य योजना आपदा प्रबंधन कार्य योजना बनाए जाने हेतु जानकारी दी गई जिसमें तहसील से श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव तहसीलदार मडावरा सहित संबंधित तहसील का समस्त स्टाफ/लेखपाल कार्यक्रम में उपस्थित रहा।

अधिकारियों ने कहा कि आपदा के समय घबराने के बजाय सही जानकारी, पूर्व तैयारी और प्रशिक्षित टीम के माध्यम से जान-माल की क्षति को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से विद्यालयों में नियमित रूप से आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण एवं मॉक ड्रिल कराए जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

राजीव गांधी की जयंती पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, मरीजों को बांटी होम्योपैथिक दवाएं

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर 20 अगस्त को जैन होम्योपैथिक के तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. विक्रम बहादुर जैन के नेतृत्व में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क होम्योपैथिक दवाएं वितरित की गईं। शिविर में डॉ. विक्रम बहादुर जैन ने मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं सुनीं और आवश्यक जांच के साथ चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। विभिन्न रोगों से पीड़ित मरीजों को उनकी आवश्यकता के अनुसार होम्योपैथिक दवाएं उपलब्ध कराई गईं। इस अवसर पर डॉ. जैन ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती को जनसेवा से जोड़ना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। शिविर में पहुंचे लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण की पहल की सराहना की।

लोधी महासभा ने श्रद्धापूर्वक मनाई बाबू कल्याण सिंह की पुण्यतिथि

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

नगर महरौनी के बानपुर रोड स्थित मुन्नालाल राजपूत के आवास परिसर में अखिल भारतीय लोधी महासभा इकाई ललितपुर के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाज के वरिष्ठ नेता स्व. कल्याण सिंह लोधी 'बाबू जी' की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित सामाजिक लोगों द्वारा बाबू जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद महासभा के पदाधिकारियों एवं समाज के लोगों ने उनके जीवन, संघर्ष और सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने समाज में शिक्षा, जागरूकता और एकजुटता को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि बाबू कल्याण सिंह का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने तथा सामाजिक उत्थान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में लोधी महासभा जिलाध्यक्ष शिक्षक भरत सिंह लोधी, जोधन सिंह लोधी, मुन्नालाल राजपूत, धनीराम सिंह राजपूत करौंदा, देशराज सिंह, फूल सिंह, सुमेर सिंह, कुंजन सिंह, निर्मल सिंह भोंति, डॉ. नरेंद्र सिंह, राजेश गंधर्व, यशवंत सिंह, राजेंद्र सिंह, लाल सिंह, कृपाल सिंह, मुलायम सिंह सहित नगर एवं क्षेत्र के दर्जनों सामाजिक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक भरत सिंह लोधी ने किया, जबकि मुन्नालाल राजपूत ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

भगवत प्रसाद शुक्ल की पुण्यतिथि पर अर्पित हुई पुष्पांजलि

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के धधुआ गाजन स्थित आइन्स्टीन पब्लिक स्कूल के सभागार में गुरूवार की शाम समाजसेवी एवं शिक्षामनीषी पं0 भगवत प्रसाद शुक्ल की आठवीं पुण्यतिथि समारोहपूर्वक मनायी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान की निदेशिका श्रुति शुक्ला एवं संरक्षक विभवभूषण शुक्ल ने स्व0 शुक्ल के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया। शिक्षक एवं शिक्षार्थियों तथा अभिवावकों ने भी विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय भगवत प्रसाद शुक्ल के चित्र पर पुष्प अर्पित किये। कार्यक्रम में बोलते हुए निदेशिका श्रुति ने कहा कि स्व. भगवत प्रसाद शुक्ल ने सादगीपूर्ण जीवन के साथ शैक्षिक एवं सामाजिक सरोकार को नई दिशा दी। विशिष्ट अतिथि डॉ0 सौरभ मिश्र रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संरक्षक विभवभूषण शुक्ल व संयोजन प्रधानाचार्य शुभ्रांशु सिंहा ने किया। संचालन उप प्रधानाचार्य आन्द्रे डिसिल्वा ने किया। इस मौके पर योगेन्द्र शुक्ला, महेन्द्र पाठक, गरिमा मिश्रा, देवेन्द्र मिश्र आदि रहे।

उन्नाव में 16 घंटे बिजली गुल, आक्रोशित लोगों ने लाइनमैन को बनाया बंधक

उन्नाव। मिश्रा कॉलोनी में करीब 16 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोगों का सब्र टूट गया। गुरुवार रात आक्रोशित मोहल्लेवासियों ने सड़क जाम कर हंगामा किया और मौके पर पहुंचे लाइनमैन को बंधक बना लिया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। जानकारी के अनुसार, मिश्रा कॉलोनी में गुरुवार सुबह से ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण बिजली आपूर्ति ठप थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग की ओर से नया ट्रांसफार्मर भेजा गया, लेकिन वह भी खराब निकला। इससे आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। लगातार 16 घंटे तक बिजली न आने से उमस और गर्मी में लोग बेहाल हो गए। रात करीब 11 बजे बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतर आए और बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क जाम कर दी।

इसी दौरान मौके पर पहुंचे लाइनमैन को लोगों ने घेर लिया और बंधक बना लिया। हंगामे की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लगातार कई घंटे तक बिजली न आने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। नया ट्रांसफार्मर लगाए जाने के बाद भी आपूर्ति बहाल न होने से लोगों में नाराजगी और बढ़ गई। शुक्रवार तक भी कॉलोनी की बिजली बहाल नहीं हो सकी थी। वहीं इस संबंध में एक्सईएन भारत गौतम ने बताया कि प्रकरण उनके संज्ञान में है। मामले की जांच कराई जाएगी और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद बिजली विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

ड्यूटी से वंचित पीआरडी स्वयंसेवकों को आवेदन का अंतिम मौका

31 अगस्त तक जमा होंगे आवेदन, इसके बाद नहीं मिलेगा अवसर

उन्नाव। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग ने ऐसे पीआरडी स्वयंसेवकों को अंतिम अवसर प्रदान किया है, जिन्होंने विभाग की ओर से समय-समय पर आयोजित 22 दिवसीय प्रारंभिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है और जिनका नाम जनपद के नॉमिनल रोल रजिस्टर में दर्ज है, लेकिन विभागीय पोर्टल पर नाम फीड न होने के कारण उन्हें ड्यूटी नहीं मिल पा रही है। विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार ऐसे सभी पीआरडी स्वयंसेवक 31 अगस्त 2026 तक विकास भवन स्थित जिला युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पोर्टल पर नाम दर्ज न होने के कारण ड्यूटी से वंचित स्वयंसेवकों को यह अंतिम समयबद्ध अवसर दिया जा रहा है। विभाग ने जनपद के संबंधित पीआरडी स्वयंसेवकों से निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन करने की अपील की है। 31 अगस्त के बाद किसी भी प्रकार का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ब्लाइंड कट्स चिन्हित, कार्ययोजना तैयार साइनेज और स्पीड ब्रेकर लगेंगे, ओवरलोड वाहनों पर सख्ती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। शुक्रवार दोपहर कलेक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। बैठक में ब्लाइंड कट्स को समाप्त करने, दुर्घटना संभावित स्थलों पर साइनेज व स्पीड ब्रेकर लगाने और ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में एडीएम, सीएमओ, पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई, यूपीडीए सहित सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एनएच-27 पर मिले कई ब्लाइंड कट्स समिति ने जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों और अन्य प्रमुख मार्गों पर ब्लैक स्पाट व दुर्घटना संभावित स्थलों की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि एनएच-27 सहित कई मार्गों पर ब्लाइंड कट्स चिन्हित किए गए हैं। इन स्थलों को सुरक्षित बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार कर शासन को भेजी जा चुकी है। बजट मिलते ही सुधार कार्य शुरू करा दिया जाएगा। **रिफ्लेक्टिव लाइट और टेप लगाने पर जोर** बैठक में कई दुर्घटना संभावित स्थानों पर साइनेज, रिफ्लेक्टिव लाइट और रिफ्लेक्टिव टेप लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। सड़क के दोनों ओर ऐसे कई बिंदु चिन्हित किए गए हैं। इन कार्यों का अनुमानित बजट तैयार कर शासन को भेजा जा चुका है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी औपचारिकताएं पूरी कर काम जल्द शुरू कराएं। एनएचएआई की टीम को निर्धारित स्थलों पर स्पीड ब्रेकर सहित अन्य सुरक्षा इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी उपायों को प्राथमिकता पर पूरा किया जाए, ताकि हादसों में कमी लाई जा सके। **ओवरलोड पर डेढ़ से दो करोड़ का जुर्माना** बैठक में ओवरलोड वाहनों को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि अप्रैल माह से ओवरलोड के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अब तक ओवरलोड वाहनों पर लगभग डेढ़ से दो करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है। कार्रवाई के बाद ओवरलोडिंग में कमी आई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस अभियान को और व्यापक बनाया जाएगा। भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि नियमों का उल्लंघन करने वालों को स्पष्ट संदेश जाए कि किसी भी कीमत पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महिला आयोग की सदस्य 25 अगस्त को करेंगी जनसुनवाई व निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा 24 और 25 अगस्त को प्रतापगढ़ के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण, जनसुनवाई और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगी। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद के साथ रक्षाबंधन उत्सव में भी शामिल होंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 अगस्त को अपरान्ह 4 बजे महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा कौशाम्बी के भरवारी स्थित कैंप कार्यालय से प्रतापगढ़ के लिए रवाना होंगी। अपरान्ह 5.30 बजे निरीक्षण भवन, प्रतापगढ़ पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगी। 25 अगस्त को सुबह 8 बजे आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करेंगी। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और नवजात बच्चों का अन्नप्राशन कराया जाएगा। इसके बाद पूर्वान्ह 9 बजे वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया जाएगा। पूर्वान्ह 11 बजे मेडिकल कॉलेज, प्रतापगढ़ पहुंचकर निरीक्षण करेंगी और प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं से संवाद करेंगी। इसके बाद अपरान्ह एक बजे विकास भवन में जनसुनवाई एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित होगा।

अपरान्ह 2 बजे विकास भवन में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक होगी। इसके बाद अपरान्ह 3.30 बजे अफीम कोठी में सदर तहसील क्षेत्र के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद करेंगी। अपरान्ह 4 बजे रानीगंज कैंप कार्यालय, बभनमई-रामगढ़ में रक्षाबंधन उत्सव में शामिल होंगी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक धीरज ओझा की सहभागिता रहेगी।

महंगाई ने खराब किया रसोई का बजट

सिद्धार्थनगर। महंगाई ने रसोई का बजट बिगाड़ना शुरू कर दिया है। चीनी, गुड़ और ड्राई फ्रूट्स के दामों में अचानक तेजी आने से आम उपभोक्ता की जेब पर बोझ बढ़ गया है। सबसे ज्यादा तेजी चीनी के भाव में आई है। 15 दिन पहले 48 रुपये किलो बिकने वाली चीनी अब 62 रुपये किलो तक पहुंच गई है। पिछले तीन दिनों में ही इसके दाम करीब 10 रुपये किलो बढ़े हैं। 50 किलो के चीनी कट्टे पर भी तीन दिन में करीब 500 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। चीनी के दाम बढ़ने का असर घर की रसोई से लेकर मिठाई की दुकानों तक दिखाई देने लगा है। चाय, मिठाई और त्योहारों पर बनने वाले पकवानों में चीनी का इस्तेमाल होने के कारण आने वाले दिनों में इसकी मांग और बढ़ने वाली है। उसका ब्लाक क्षेत्र के संत गोपाल, राजन, दीप नारायण, गणेश शुक्ल, राज कुमार आदि ने सरकार से इस बढ़ते महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग की है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने छात्र-छात्राओं के साथ किया संवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देशन में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/प्रशिक्षु आईएएस थनिगईयरसन टी द्वारा राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद एवं करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं से उनके करियर लक्ष्यों, उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर विस्तार से संवाद किया। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने सिविल सेवा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में आने वाली चुनौतियों, तैयारी की रणनीति, समय प्रबंधन एवं निरंतर अध्ययन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने लक्ष्य को स्पष्ट रखते हुए अनुशासन, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने छात्रों को मोबाइल फोन एवं अनावश्यक रील्स में समय व्यतीत करने के बजाय खाली समय का सदुपयोग स्पोर्ट्स, ग्रुप एक्टिविटी एवं रचनात्मक गतिविधियों में करने के लिए प्रेरित किया।

सत्र के अंत में छात्र-छात्राओं ने करियर एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका ज्वाइंट मजिस्ट्रेट द्वारा सहजता एवं विस्तार से उत्तर देते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया। इस अवसर पर जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने भी छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। संवाद सत्र के उपरांत ज्वाइंट मजिस्ट्रेट द्वारा पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रावास का निरीक्षण किया गया। उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, साफ-सफाई, भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने छात्रों के साथ भोजन भी किया तथा भोजन की गुणवत्ता की जांच की। छात्रावास की व्यवस्थाओं को और बेहतर एवं सुव्यवस्थित कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट थनिगईयरसन टी को अपने बीच पाकर छात्र-छात्राओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर संवाद बनाए रखने तथा भविष्य में पुनः ऐसे सत्र आयोजित कर मार्गदर्शन देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर कॉलेज के डायरेक्टर धनंजय सिंह, चीफ वार्डेन डी.पी. मिश्रा, प्रोफेसर विशाल चंदेल सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कॉलेज प्रशासन द्वारा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट का आभार व्यक्त किया गया।

सड़क सुरक्षा को लेकर डीएम सख्त, ओवरलोडिंग और अवैध पार्किंग पर होगी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। सड़क हादसों पर प्रभावी अंकुश लगाने और जिले की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां तत्काल आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़कों पर अवैध अतिक्रमण, अवैध पार्किंग और यातायात नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्गों और प्रमुख मार्गों पर आवश्यक स्थानों पर स्पीड लिमिट बोर्ड लगाए जाएं। सड़क किनारे लगे संकेतक, रिफ्लेक्टर और प्रकाश व्यवस्था को भी दुरुस्त रखा जाए, ताकि रात के समय हादसों की आशंका कम हो। डीएम ने संभागीय परिवहन अधिकारी को ओवरलोड वाहनों और अवैध परिवहन के खिलाफ प्राथमिकता के आधार पर अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले में कहीं से भी ओवरलोडिंग की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। परिवहन विभाग और पुलिस को प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

स्कूली वाहनों की भी होगी निगरानी विद्यालयों में संचालित वाहनों को लेकर भी जिलाधिकारी ने गंभीरता दिखाई। जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि स्कूली वाहन चालकों का चरित्र सत्यापन, ड्राइविंग लाइसेंस और स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से कराया जाए। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे और आगरा एक्सप्रेसवे पर छुट्टा पशुओं से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक स्थानों पर कैटल कैचर की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर घूम रहे छुट्टा पशुओं को प्राथमिकता से पकड़कर संबंधित गौशालाओं में संरक्षित कराया जाए। डीएम ने सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए नियमित अभियान चलाने को कहा। हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग, ओवरस्पीडिंग, नशे में वाहन चलाने तथा ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रवर्तन कार्रवाई बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवहन, पुलिस, लोक निर्माण विभाग समेत संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से ठोस कदम उठाते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, सिटी मजिस्ट्रेट मनोज कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, संभागीय परिवहन अधिकारी संजीव कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बारावफात, रक्षाबंधन व जन्माष्टमी को लेकर पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। आगामी बारावफात, रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर शुक्रवार को त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी बिस्कोहर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम प्रधानों, संभ्रांत नागरिकों, जुलूस आयोजकों तथा हिंदू-मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरुओं और मौलवियों ने भाग लिया। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। साथ ही उच्चाधिकारियों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से उपस्थित लोगों को अवगत कराया गया और आपसी सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया गया। बैठक प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय के नेतृत्व में आयोजित हुई। इस दौरान उपनिरीक्षक तालीमुद्दीन खान, इशांशु श्रीवास्तव, विजय कुमार, इंदरजीत सिंह, आशीष मौर्य, कांस्टेबल अजय यादव बलराम सिंह, अनुज राम त्रिपाठी, मोहम्मद आरिफ, शाहिद अजीज सिद्दीकी, जितेन्द्र मौर्या, तौहीर अहमद, वाजिद अली, मोईद खान, एजाज शाह, अखलाक अहमद, राम सुमिरन यादव, अकरम शाह, अब्दुल रब, अब्दुल हकीम आदि मौजूद रहे।

विद्यालय का ताला तोड़ चोरी की घटना को दिया अंजाम

महराजगंज (ठूठीबारी)। बीती रात को प्राथमिक विद्यालय छोटका टोला भरवलिया में चोरों ने आफिस व किचन रूम का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। शुक्रवार की सुबह जब प्रधानाध्यापक विनय राज वर्मा विद्यालय पहुँचे तो आफिस व किचन का ताला टूटा देख होश उड़ गए। तत्काल डायल 112 पर फोन कर चोरी की घटना की जानकारी दी। प्रधानाचार्य विनय राज वर्मा ने बताया कि किचन रूम से एक बंडल थाली (30 पीस) गिलास 30 पीस चम्मच 30 पीस व राशन उठा ले गये। वही 16 जुलाई 2026 को भी चोरों ने किचन का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस से शिकायत के बाद भी कोई ठोस कार्यवाही न होने से पुनः चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इस बाबत पुलिस क्षेत्राधिकारी रविन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल किया जा रहा है।

सवर्ण आयोग का गठन किया जाय तथा आर्थिक आधार पर आरक्षण हो-रामलखन सिंह

क्षत्रिय कल्याण परिषद ने डीएम को ज्ञापन सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद की प्रतापगढ़ इकाई के जिला अध्यक्ष राम लखन सिंह ने राष्ट्रीय इकाई के निर्देश पर शुक्रवार को राष्ट्रपति को संबोधित तीन सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी द्वारा नामित अधिकारी को जिला इकाई के पदाधिकारियों के साथ सौंपा। ज्ञापन में केन्द्र सरकार से मांग की गई है कि सवर्ण आयोग का गठन किया जाय तथा एससी एसटी एक्ट को पूर्णतया समाप्त किया जाय एवं प्रमोशन में आरक्षण को समाप्त करते हुए आर्थिक आधार पर आरक्षण का लाभ सभी वर्गों एवं जातियों को समान रूप से दिया जाय। अध्यक्ष ने ज्ञापन सौंपने के उपरान्त उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए ज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर करणी सेना के जिला अध्यक्ष अनुज सिंह, श्याम नारायण सिंह, डा. विशाल सिंह, आरबी सिंह, दिनेश प्रताप सिंह, धन्नजय सिंह, अमित सिंह रज्जू , शिव कुमार सिंह, शैलेश सिंह, शमशेर सिंह, सुरेश बहादुर सिंह, जयसिंह, डब्बू सिंह आदि की उपस्थिति विशेष उल्लेखनीय रही।अन्त डा. विशाल सिंह ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

परिषदीय विद्यालयों में लाइब्रेरी से बढ़ रही पढ़ने की ललक, किताबों से निखर रही बच्चों की प्रतिभा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर और रुचिकर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे प्रयास अब असर दिखाने लगे हैं। विद्यालयों में संचालित स्कूल लाइब्रेरी एवं लर्निंग कॉर्नर बच्चों के लिए ज्ञान का नया केंद्र बन रहे हैं। पाठ्यपुस्तकों के साथ कहानी, बाल साहित्य, सामान्य ज्ञान, प्रेरक प्रसंग एवं अन्य ज्ञानवर्धक पुस्तकों से बच्चों का जुड़ाव बढ़ रहा है। विद्यालयों की लाइब्रेरी में बच्चों की आयु और रुचि के अनुरूप विभिन्न प्रकार की पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। छात्र-छात्राएं अपनी पसंद की किताबें चुनकर उनका नियमित अध्ययन कर रहे हैं। इससे उनमें पढ़ने की आदत विकसित होने के साथ नई चीजों को जानने और समझने की जिज्ञासा भी बढ़ रही है।

स्टडी कॉर्नर बना बच्चों के आकर्षण का केंद्र विद्यालयों में विकसित किए गए स्टडी कॉर्नर बच्चों को सहज और आकर्षक तरीके से अध्ययन के लिए प्रेरित कर रहे हैं। बच्चे यहां बैठकर अपनी पसंद की पुस्तकें पढ़ते हैं तथा पढ़ी गई कहानियों और विषयों पर शिक्षकों एवं सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं। इससे विद्यालयों में पठन-पाठन का सकारात्मक माहौल तैयार हो रहा है।

पठन कौशल के साथ अभिव्यक्ति क्षमता में सुधार नियमित पुस्तक अध्ययन से बच्चों के पठन कौशल, शब्दावली, भाषा ज्ञान, कल्पनाशक्ति और समझने की क्षमता में सुधार हो रहा है। किताबों के माध्यम से बच्चे सवाल पूछने, विषयों पर विचार करने और अपने विचारों को बेहतर ढंग से व्यक्त करने के लिए भी प्रेरित हो रहे हैं। शिक्षकों के अनुसार पुस्तक पढ़ने की आदत बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

बांकी, कटिया और धर्मनगर में दिख रहा उत्साह विकासखंड बलरामपुर के प्राथमिक विद्यालय बांकी, प्राथमिक विद्यालय कटिया एवं प्राथमिक विद्यालय धर्मनगर में छात्र-छात्राएं लाइब्रेरी और स्टडी कॉर्नर का उत्साहपूर्वक उपयोग कर रहे हैं। बच्चों में पुस्तकों के प्रति बढ़ती उत्सुकता और नियमित अध्ययन की आदत विद्यालयों में विकसित हो रही सकारात्मक शैक्षिक संस्कृति को दर्शाती है। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय बच्चों को पढ़ने, समझने, सोचने और स्वयं सीखने के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। स्कूल लाइब्रेरी एवं लर्निंग कॉर्नर इस दिशा में प्रभावी माध्यम साबित हो रहे हैं। किताबों से बच्चों की दोस्ती बढ़ाकर सीखने की प्रक्रिया को अधिक रुचिकर, आनंददायक और प्रभावी बनाने की दिशा में विद्यालयों में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत, दोनों पैर कटे दिल्ली नौकरी के लिए निकला था

उन्नाव। उन्नाव रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार रात ट्रेन की चपेट में आने से 24 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में युवक के दोनों पैर कट गए और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान आसीवन थाना क्षेत्र के जरवा खेड़ा गांव निवासी कुलदीप कुमार पुत्र स्वर्गीय रामबिलास के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, कुलदीप गुरुवार रात दिल्ली जाने के लिए ट्रेन से यात्रा कर रहा था। वह दिल्ली में निजी नौकरी करता था। बताया जा रहा है कि रात करीब 8 बजे उन्नाव रेलवे स्टेशन के पास वह अचानक ट्रेन की चपेट में आ गया। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की और परिजनों को घटना की सूचना दी। शुक्रवार सुबह परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और शव की पहचान की। परिजनों ने बताया कि कुलदीप परिवार में सबसे बड़ा था और दिल्ली में निजी नौकरी कर परिवार का खर्च चलाता था। वह तीन बहनों और दो भाइयों में सबसे बड़ा था। कुलदीप की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। माता-पिता और भाई-बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के मुताबिक, कुलदीप की मौत से परिवार के सामने आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। रेलवे पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कुलदीप ट्रेन में चढ़ते या उतरते समय हादसे का शिकार हुआ या किसी अन्य वजह से ट्रेन की चपेट में आया।

उन्नाव में 200 युवाओं को मिलेगा हुनर, छह माह की ट्रेनिंग के बाद रोजगार की तैयारी

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बंथर के पास एक चमड़ा फैक्ट्री परिसर में शुक्रवार को कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में भगवंतनगर विधायक आशुतोष शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक शिशिर अवस्थी ने बताया कि हिंदुस्तान लेटेक्स फैमिली प्लानिंग प्रमोशन ट्रस्ट (एचएलएफपीपीटी) की ओर से प्रदेश में विभिन्न कौशल प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। उन्नाव में लेदर कटर और जरी-जरदोजी ट्रेड में युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दोनों ट्रेडों में कुल 200 युवाओं का नामांकन हुआ है और प्रशिक्षण की अवधि छह माह निर्धारित की गई है।

मिशन शक्ति के तहत पुलिस टीम ने छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांसी (सिद्धार्थनगर)। मिशन शक्ति के तहत शुक्रवार को थाना शिवनगर डिंडई पुलिस ने प्राथमिक विद्यालय कड़सरा में महिला सशक्तिकरण हेतु बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित कर छात्र-छात्राओं को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया। क्षेत्राधिकारी बांसी शुभेंदु सिंह के निर्देशन तथा थानाध्यक्ष बृजेश सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में उपनिरीक्षक रामधनी प्रसाद एवं महिला कांस्टेबल शालिनी वर्मा ने छात्र-छात्राओं को गुड टच-बैड टच के साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

पुलिस टीम ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी। एंटी रोमियो अभियान के तहत डिंडई चौराहे पर चेकिंग के दौरान दो व्यक्तियों को माफीनामा एवं उचित हिदायत देकर छोड़ते हुए साइबर अपराध से बचाव के प्रति भी जागरूक किया। पुलिस ने 112, 1090, 1076, 108, 1930, 1098, 102, 181 एवं 101 हेल्पलाइन नंबरों की भी जानकारी दी।

नौ लाख रूपये की लागत से गांधी आदर्श इंटर कॉलेज के खेल मैदान में बनेगा शौचालय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। गांधी आदर्श इंटर कॉलेज के खेल मैदान में विद्यार्थियों एवं कार्यक्रमों में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए शौचालय का निर्माण कराया जाएगा। 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत नौ लाख रुपये की लागत से होने वाले निर्माण कार्य का शुक्रवार को नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरी ने विधिवत भूमि पूजन कर शुभारंभ किया। विदित हो स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष ने खेल मैदान में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए शौचालय निर्माण कराने की घोषणा की थी। इसी क्रम में शुक्रवार को पूजा-अर्चना के साथ निर्माण कार्य शुरू कराया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरी ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पंचायत की प्राथमिकता है। खेल मैदान में शौचालय का निर्माण होने से विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ ही यहां आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने वाले लोगों को भी सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर गांधी आदर्श इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य विजय कुमार वर्मा, सिद्धार्थ शंकर पाठक, रवि अग्रहरी, युवा नेता अनिल अग्रहरी, मनोनीत सभासद रामधनी मौर्य, ध्रुव चतुर्वेदी, राजेश्वर सिंह, रामराज कन्नौजिया, अभिषेक यादव, बृजेश अग्रहरी, बरकत अली समेत विद्यालय के शिक्षक, नगर पंचायत कर्मचारी एवं नगरवासी मौजूद रहे।

चोरी के आभूषण और नकदी समेत आरोपित गिरफ्तार

देवरिया। जनपद की बघौचघाट पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम ने चोरी के मामले का पर्दाफाश करते हुए रहमत शाह (30) को रामपुर महुआबारी चौराहे के पास ईट-भट्ठे के समीप से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से सैमसंग का मोबाइल बरामद किया।

उसकी निशानदेही पर घर से चोरी के आभूषण और 1,100 रुपये नकद भी बरामद हुए। पुलिस के अनुसार 15 जुलाई को दर्ज मुकदमे में शिकायतकर्ता ने बताया था कि परिवार के साथ बाहर जाने के बाद लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और आलमारी व बक्से से आभूषण तथा नकदी चोरी थी। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2) बढ़ाई गई है।

कालवर्ट के अभाव में सोनाइछड़ा स्कूल के विद्यार्थियों को आवागमन में भारी परेशानी

स्थायी कालवर्ट नहीं होने से जोखिम भरा आवागमन, लंबे समय से अधिकारियों का ध्यान नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर शिक्षा खंड के अंतर्गत दुल्लभछड़ा जीपी के दामछड़ा 9 नंबर लाइन क्षेत्र में स्थित सोनाइछड़ा एल.पी. स्कूल के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्थानीय लोगों को लंबे समय से सुरक्षित आवागमन की सुविधा नहीं मिलने के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 1982 में स्थापित इस विद्यालय को 44 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन स्कूल तक पहुंचने वाले महत्वपूर्ण मार्ग पर आज तक स्थायी कलवर्ट का निर्माण नहीं किया गया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, विद्यालय तक जाने वाले रास्ते में मौजूद एक नाले को पार करने के लिए वर्षों से बांस के अस्थायी पुल का सहारा लेना पड़ रहा है। कई स्थानों पर सुपारी के पेड़ के तनों के सहारे भी छोटे-छोटे बच्चे जोखिम उठाकर नाला पार करते हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को हर दिन दुर्घटना की आशंका के बीच स्कूल आना-जाना पड़ता है। विशेषकर बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। बारिश के कारण नाले में पानी का स्तर बढ़ जाता है और बांस का पुल तथा सुपारी के तने फिसलन भरे हो जाते हैं। अभिभावकों को आशंका है कि किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है। छोटे बच्चों के गिरकर हाथ-पैर में चोट लगने से लेकर किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। अभिभावकों और स्थानीय निवासियों का आरोप है कि लंबे समय से इस समस्या को संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई प्रभावी पहल नहीं की गई। दुल्लभछड़ा ग्राम पंचायत प्राधिकरण और संबंधित शिक्षा विभाग के अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी स्थानीय लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि सरकार विभिन्न शिक्षा एवं विकास योजनाओं पर बड़ी राशि खर्च कर रही है, फिर प्राथमिक विद्यालय के छोटे बच्चों की सुरक्षित आवाजाही के लिए एक छोटा-सा कलवर्ट बनाने में इतनी लंबी देरी क्यों हो रही है? नियमित विद्यालय निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों की नजर इस गंभीर समस्या पर क्यों नहीं पड़ी, इसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अभिभावकों की मांग है कि बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संबंधित शिक्षा विभाग के अधिकारी, ग्राम पंचायत प्राधिकरण और प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण करें। साथ ही समस्या की गंभीरता को देखते हुए जल्द से जल्द स्थायी कलवर्ट के निर्माण की पहल की जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी बड़ी दुर्घटना के बाद प्रशासन के सक्रिय होने का इंतजार करने के बजाय पहले ही इस समस्या का समाधान किया जाना चाहिए। 44 वर्षों से जोखिम भरे रास्ते से आवागमन कर रहे सोनाइछड़ा एल.पी. स्कूल के विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित संपर्क व्यवस्था आखिर कब सुनिश्चित होगी–फिलहाल यही क्षेत्रवासियों का सबसे बड़ा सवाल है।

स्मार्ट मीटर के बाद भी बिजली सेवा में नहीं आया 'स्मार्ट' बदलाव

भीषण गर्मी में दुल्लभछड़ा के ग्रामीण लोग परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के रामकृष्ण नगर विधानसभा क्षेत्र के दुल्लभछड़ा से सटे आदर्श कृष्णनगर, ग्राम छनटिला और कालाछड़ा सहित विभिन्न ग्रामीण इलाकों में विभाग के द्वारा पुराने बिजली मीटरों को बदलकर नए स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बावजूद बिजली सेवा में अपेक्षित सुधार नहीं होने का आरोप स्थानीय लोगों ने लगाया है। मीटर बदलने के बाद भी पहले की तरह लगातार बिजली कटौती और लोडशेडिंग से आम जनता परेशान है। भीषण गर्मी के बीच घंटों बिजली गुल रहने से क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों की समस्याएं और बढ़ गई हैं। बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण घरेलू जीवन प्रभावित होने के साथ-साथ पेयजल आपूर्ति, व्यापार-व्यवसाय और रोजमर्रा के कामकाज पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बावजूद बिजली आपूर्ति में लगातार अनियमितता क्यों बनी हुई है, इसे लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं।

उनका आरोप है कि लंबे समय से लोडशेडिंग की समस्या बनी हुई है, लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए संबंधित विभाग और अधिकारियों की ओर से कोई प्रभावी पहल नजर नहीं आ रही है। बार-बार समस्या से अवगत कराने के बावजूद स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ है। इधर, भीषण गर्मी के दौरान लगातार बिजली कटौती से आम लोगों की परेशानी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि बिजली कटौती के वास्तविक कारणों की तत्काल पहचान कर नियमित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। इस परिस्थिति में दुल्लभछड़ा तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र हस्तक्षेप और आवश्यक कार्रवाई करने के लिए भुक्तभोगी आम लोगों ने जिला उपायुक्त (डीसी) का ध्यान आकर्षित किया है।

30 अगस्त के त्रिशूल मार्च को लेकर शिवसेना हिंदुस्तान की अहम बैठक

पदाधिकारियों को तैयारियों में जुटने के निर्देश, निष्क्रिय पदाधिकारियों पर भी हुई कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होशियारपुर- शिवसेना हिंदुस्तान की ओर से होशियारपुर में एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अगुवाई पंजाब उपप्रधान राजिंदर राणा एवं प्रधान राहुल खन्ना ने की। इस महत्वपूर्ण बैठक में विशेष तौर पर शिवसेना हिंदुस्तान के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गुप्ता जी और राष्ट्रीय महामंत्री श्री कृष्ण शर्मा जी पहुंचे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 30 अगस्त को निकाले जाने वाले विशाल त्रिशूल मार्च की तैयारियों को लेकर रणनीति तैयार करना रहा। बैठक में राष्ट्रीय नेतृत्व ने पंजाब के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ त्रिशूल मार्च को सफल बनाने के लिए विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गुप्ता जी ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि 30 अगस्त के त्रिशूल मार्च को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत के साथ तैयारियों में जुटें। पवन गुप्ता ने कहा कि संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह अपने-अपने क्षेत्र में कार्यकर्ताओं के साथ संपर्क बढ़ाए और अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करे। राष्ट्रीय महामंत्री कृष्ण शर्मा जी ने भी बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी पदाधिकारियों को आपसी तालमेल और अनुशासन के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने 30 अगस्त के त्रिशूल मार्च को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह पैदा करने तथा कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से सफल बनाने पर जोर दिया। पंजाब उपप्रधान राजिंदर राणा एवं प्रधान राहुल खन्ना ने कहा कि शिवसेना हिंदुस्तान के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता 30 अगस्त के त्रिशूल मार्च को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। राणा ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में पंजाब में संगठन को और मजबूत किया जा रहा है तथा आने वाले दिनों में त्रिशूल मार्च की तैयारियों को लेकर विभिन्न स्तरों पर बैठकें और जनसंपर्क अभियान चलाए जाएंगे। आज की इस बैठक में महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए पार्टी के प्रति निष्क्रिय भूमिका निभाने वाले राजिंदर शिंदा जिला अध्यक्ष होशियारपुर अमन शर्मा जिला अध्यक्ष मजदूर सेना को पार्टी से निष्काषित कर दिया गया है और इनके द्वारा दी गई सभी नियुक्तियां भी अगली नियुक्ति तक भंग कर दी गई। बैठक के दौरान पार्टी के पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की तैयारियों को लेकर जानकारी दी और त्रिशूल मार्च में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया। बैठक के अंत में राष्ट्रीय नेतृत्व और पंजाब इकाई ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से 30 अगस्त के त्रिशूल मार्च को जोरदार एवं अनुशासित तरीके से सफल बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मोके अमन राणा, अमित राणा, बिट्टू लंगेरी, महिला सेना जिला प्रधान सपना, राजू खोसला, हिंदू नेता भूपिंदर , विवेक विजन युवा जिला चेयरमैन, दोआबा युवा प्रधान परशांत पंडित, पुनीत ढींगरा, रीया रानी, बलविंदर कौर, पूजा अटवाल, हरजीत कौर आदि शामिल थे।

घाटमपुर में शटरिंग ठेकेदार ने महिला, पुरूष पर किया हमला

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना घाटमपुर क्षेत्र के भदरस गांव में सीमेंट उठाने को लेकर हुए विवाद में एक शटरिंग ठेकेदार और उसके साथियों ने एक युवक और एक महिला पर हमला कर दिया,इस हमलें में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए,, सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, और मामले की जांच शुरू कर दी, घायलों की पहचान मढ़ गांव निवासी लोकेंद्र 21 वर्ष पुत्र अरविंद कुमार और घाटमपुर के आशा नगर मुहल्ले में किराए पर रहने वाली सलमा 25 वर्षीय पत्नी चांद बाबू के रूप में हुई है,, बताया गया है कि शटरिंग ठेकेदार सीमेंट उठाने को लेकर उनका स्थानीय शटरिंग ठेकेदार से विवाद हो गया था, देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि ठेकेदार ने अपने अन्य साथियों को मौके पर बुला लिया, आरोप है कि ठेकेदार और उनके साथियों ने हथौड़ी व डंडों से लोकेंद्र, और सलमा,पर हमला कर दिया, अचानक हुए इस हमलें में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, चीख-पुकार सुनकर जब तक आस पास के लोग मौके पर पहुंचे, आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए, घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई,, मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर भेजा, जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

गग्गरभाना सहकारी समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों को मंत्री ने किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर। जंडियाला गुरु विधानसभा क्षेत्र के गांव गग्गरभाना की सहकारी समिति के चुनाव में नवनिर्वाचित सदस्यों को लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने सम्मानित कर बधाई दी। इस दौरान गांव गग्गरभाना और पल्ला से चुने गए सदस्यों को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी गई। गग्गरभाना से निर्वाचित सदस्यों में सुखदेव सिंह पुत्र निरंजन सिंह, अजीत सिंह पुत्र लश्मन सिंह, जगतार सिंह पुत्र शिव सिंह, हरजिंदर सिंह पुत्र जंग बहादर सिंह, जसबीर कौर पत्नी मंगल सिंह, नरिंदर सिंह पुत्र जगीर सिंह, शिंगारा सिंह पुत्र दलीप सिंह और गुरमेज सिंह पुत्र हरबंस सिंह शामिल हैं। वहीं गांव पल्ला से बख्शीश सिंह पुत्र वासन सिंह, राजविंदर सिंह पुत्र अजैब सिंह और अमरजीत कौर पत्नी जसबीर सिंह निर्वाचित हुए हैं। नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने कहा कि सहकारी समितियां गांवों के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी सदस्य ईमानदारी, लगन और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे तथा ग्रामीणों की भलाई को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि सहकारी समिति के कामकाज में पारदर्शिता और सुचारू व्यवस्था बनाए रखते हुए लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना नवनिर्वाचित सदस्यों की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सभी सदस्यों को उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

कैबिनेट मंत्री ने 28 नई नियुक्त आंगनवाड़ी हेल्पर्स को अपॉइंटमेंट लेटर दिए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खन्ना, लुधियाना। पंजाब सरकार की ओर से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की मुहिम के तहत कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने खन्ना स्थित किशोरी लाल जेठी (गर्ल्स) स्कूल ऑफ एमिनेंस में 28 नवनियुक्त आंगनवाड़ी हेल्परों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने सभी नवनियुक्त हेल्परों को बधाई देते हुए ईमानदारी, मेहनत और लगन के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की अपील की। इस अवसर पर मंत्री सौंद ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने मेरिट और पारदर्शी प्रक्रिया के आधार पर अब तक करीब 70 हजार युवाओं को नियमित सरकारी नौकरी दी है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में योग्यता और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि योग्य उम्मीदवारों को बिना भेदभाव रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को रोजगार देने के साथ-साथ आम लोगों को बेहतर और प्रभावी सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराना भी है। मंत्री ने कहा कि बच्चों के स्वस्थ विकास में आंगनवाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इन केंद्रों के माध्यम से बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और प्रारंभिक विकास से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। ऐसे में नवनियुक्त आंगनवाड़ी हेल्परों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हेल्परों को अपनी नौकरी को केवल रोजगार का साधन न मानकर समाजसेवा का अवसर समझना चाहिए। उन्होंने महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और जमीनी स्तर पर लोगों की जरूरतों को समझकर सेवाओं को प्रभावी बनाने की अपील की। नवनियुक्त आंगनवाड़ी हेल्परों ने नियुक्ति पत्र मिलने पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति उनके लिए रोजगार के साथ बच्चों और महिलाओं की सेवा करने का अवसर भी है। इस मौके पर एसडीएम स्वाति टिवाना, सीडीपीओ सुखजीत कौर, जिला परिषद सदस्य मास्टर अवतार सिंह दैहिरू, नगर परिषद खन्ना के अध्यक्ष जतिंदर पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरीश गुप्ता और उपाध्यक्ष करमजीत सिंह सिफ्टी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सरकारी स्कूलों के 4 हजार विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी शिक्षा कार्यक्रम शुरू

लुधियाना। वर्धमान स्पेशल स्टील्स लिमिटेड (वीएसएसएल), लुधियाना ने अपनी सामाजिक दायित्व पहल के तहत जिला प्रशासन और इंग्लिश असिस्टेंट के सहयोग से सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी भाषा शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया है। इस परियोजना का उद्देश्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से विद्यार्थियों की अंग्रेजी भाषा की क्षमता विकसित करना तथा उनकी पढ़ाई और भविष्य में रोजगार के अवसरों को बेहतर बनाना है। इस परियोजना के तहत लुधियाना के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 4,000 विद्यार्थियों को विभिन्न ऑनलाइन अनुप्रयोगों और संवादात्मक शिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से अंग्रेजी सीखने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के जरिए विद्यार्थियों की सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने की क्षमता विकसित करने के साथ उनका आत्मविश्वास बढ़ाने पर भी जोर दिया जाएगा। इस अवसर पर लुधियाना के उपायुक्त हिमांशु जैन ने परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह की पहल बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

पार्क प्लाजा होटल में बैंक अधिकारियों और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना। महानगर के भाई वाला चौक स्थित प्रतिष्ठित होटल 'पार्क प्लाजा' में गुरुवार सुबह बैंक अधिकारियों और पुलिस की संयुक्त टीम ने अचानक कार्रवाई की। करोड़ों रुपये के बैंक ऋण विवाद से जुड़ी इस कार्रवाई के दौरान होटल परिसर में स्थित सैलून समेत 7वीं और 8वीं मंजिल पर बने कई कमरों को सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान होटल के मुख्य द्वार पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। वहीं बैंक और पुलिस के अधिकारी होटल के अंदर दस्तावेजों की जांच के साथ सीलिंग की प्रक्रिया में जुटे रहे।

नोटिस के बाद कार्रवाई

सूत्रों के अनुसार, होटल प्रबंधन पर विभिन्न बैंकों का करोड़ों रुपये का कर्ज बकाया है। इसे लेकर बैंक और होटल प्रबंधन के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि अदालत की ओर से बकाया राशि के निपटारे और पेशी को लेकर होटल प्रबंधन को चार बार नोटिस जारी किए गए थे। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद बैंक अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ होटल में रिकवरी और सीलिंग की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान होटल परिसर का सैलून तथा 7वीं और 8वीं मंजिल पर स्थित कमरों को सील किया गया। हालांकि, होटल की अन्य सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहीं। होटल में ठहरे मेहमानों की आवाजाही और रेस्तरां समेत अन्य आवश्यक सेवाएं प्रभावित नहीं हुईं। किस बैंक के ऋण अथवा गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) मामले में यह कार्रवाई की गई, इस संबंध में पुलिस और बैंक अधिकारियों ने फिलहाल विस्तृत आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। होटल प्रबंधन से भी संबंधित दस्तावेजों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

पूर्व विधायक जसबीर सिंह खंगूड़ा का है होटल

उल्लेखनीय है कि पार्क प्लाजा होटल पंजाब कांग्रेस के पूर्व विधायक जसबीर सिंह 'जस्सी' खंगूड़ा से जुड़ा है। खंगूड़ा पंजाब की राजनीति में चर्चित नाम रहे हैं और वर्तमान में मलेरकोटला जिले के अमरगढ़ विधानसभा क्षेत्र से राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय बताए जाते हैं।

श्रीभूमि जिले के शुगारमिल में पत्रकार के घर से बिजली की मोटर चोरी

श्रीभूमि : श्रीभूमि जिले के रातााबाड़ी थाना क्षेत्र के शुगारमिल कॉलोनी में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर अब रातााबाड़ी पुलिस सक्रिय हो गई है। सीआरपीएफ कैंप के सामने स्थित पत्रकार राशिद अहमद के घर से बिजली की मोटर चोरी होने की घटना की जांच करते हुए पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और कुछ संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की। जानकारी के अनुसार, गत 18 अगस्त की रात पत्रकार राशिद अहमद के घर से एक बिजली की मोटर चोरी हो गई। अगले दिन सुबह चोरी का पता चलने पर उन्होंने अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन मोटर का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने रातााबाड़ी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। मामले की जांच की जिम्मेदारी एएसआई एस.एम. शर्मा को सौंपी गई। इस बीच, घटना की खबर राष्ट्रीय हिंदी दैनिक स्वतंत्र प्रभात राष्ट्रीय स्तर के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होने के बाद पुलिस ने जांच में और तेजी दिखाई। गुरुवार को एएसआई एस.एम. शर्मा के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और मौके का निरीक्षण कर विभिन्न पहलुओं की जांच की। इसके बाद शुक्रवार को भी पुलिसकर्मी नुरुल इस्लाम के साथ जांच अधिकारी एस.एम. शर्मा ने दोबारा घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने घटनास्थल का पुनः निरीक्षण कर मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं को खंगाला। साथ ही कुछ संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी की गई। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से शुगारमिल कॉलोनी क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी से स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। महज एक सप्ताह के भीतर लगातार तीन घरों से बिजली की मोटर चोरी होने की शिकायत सामने आई है। इसके अलावा किसी के ट्यूबवेल तो किसी के घर से छोटी-मोटी वस्तुओं की चोरी की घटनाएं भी सामने आने की बात स्थानीय लोगों ने कही है। पुलिस की इस सक्रियता पर पत्रकार राशिद अहमद ने संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने रातााबाड़ी थाने के ओसी चित्तरंजन बसुमातारी, जांच अधिकारी एस.एम. शर्मा सहित रातााबाड़ी थाना पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

पंजाब बंद में दोहरी व्यवस्था पर उठे सवाल, पाठशाला बंद, शराब के ठेके और वाहन शोरूम खुल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना। पंजाब बंद के दौरान लुधियाना में बंद के असर को लेकर दोहरी व्यवस्था पर सवाल उठे। एक ओर सुरक्षा के मद्देनजर निजी स्कूल बंद रहे, वहीं दूसरी ओर जीटी रोड पर कई शराब के ठेके और वाहन कंपनियों के शोरूम खुले नजर आए। इससे बंद की प्रभावशीलता और नियमों के समान अनुपालन को लेकर चर्चा शुरू हो गई। कौमी इंसाफ मोर्चा के आह्वान पर सुबह सात बजे से दोपहर दो बजे तक पंजाब बंद का आह्वान किया गया था। बंदी सिखों की रिहाई सहित विभिन्न मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाने के उद्देश्य से आयोजित बंद के दौरान कई छोटे कारोबारी और दुकानदार अपने प्रतिष्ठान बंद रखे रहे।

स्कूल बंद, ठेके खुले

बंद के दौरान निजी स्कूलों को बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर बंद रखा गया। वहीं जीटी रोड पर स्थित कुछ शराब के ठेकों पर सामान्य रूप से बिक्री होती दिखाई दी। इसको लेकर लोगों ने सवाल उठाया कि यदि सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के कारण स्कूल बंद रखे गए, तो शराब के ठेकों को खुला रखने की अनुमति क्यों दी गई?

वाहन शोरूम भी खुले

जीटी रोड पर कई वाहन कंपनियों के शोरूम भी खुले रहे। कुछ स्थानों पर सामान्य गतिविधियां होती दिखाई दीं। लोगों का कहना है कि जब छोटे दुकानदारों ने बंद का पालन किया तो बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खुले रहने से बंद की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है।

प्रशासन से मांगा स्पष्टीकरण

स्थानीय लोगों ने कहा कि बंद का असर यदि आम दुकानदारों और छोटे कारोबारियों पर पड़ता है तो नियम सभी प्रतिष्ठानों पर समान रूप से लागू होने चाहिए।

शराब के ठेकों और खुले शोरूम को लेकर प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लोगों ने प्रशासन से स्थिति स्पष्ट करने और समान नियम लागू करने की मांग की है।